दैनिक
# पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 98 | ग्वालियर मंगलवार, 17 जनवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए


## एक नजर

### गंगासागर के पास समुद्र में फंसे 600 तीर्थयात्री, रेस्क्यू अभियान जारी

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल के गंगासागर में रविवार की रात को 600 तीर्थयात्रियों की जान पर बन आई. अधिकारियों ने बताया कि कल रात से समुद्र में फंसे करीब 600 तीर्थयात्रियों को बचाया जा रहा है. सभी तीर्थयात्री हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम गंगासागर की ओर जा रहे थे. इसी समय उनकी नाव समुद्र में उठ रही लहरों और घने कोहरे की वजह से काकद्वीप के पास फंस गए. गंगासागर की हिंदू धर्म में काफी मान्यता है. 15 जनवरी को मकर संक्राति के दिन गंगासागर में डुबकी लगाने की मान्यता है. हर साल देश भर से लाखों लोग मकर संक्राति पर यहां डुबकी लगाने आते हैं. गंगासागर पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में है. अधिकारियों ने कहा कि भारतीय कोस्ट गार्ड ने फंसे हुए सभी तीर्थयात्रियों को बचाने के लिए नावें तैनात की हैं.

### दिसंबर में लोगों को महंगाई से मिली राहत, थोक महंगाई दर घटकर 5 फीसदी से नीचे आई

**नई दिल्ली।** देश की जनता को अब महंगाई दर के मोर्चे पर राहत मिलती दिख रही है. इसका सबूत आज थोक महंगाई दर के आंकड़ों के रूप में भी सामने आ गया है. दिसंबर 2022 में देश की थोक महंगाई दर में गिरावट देखने को मिली है और ये 4.95 फीसदी पर आ गई है. इस तरह थोक महंगाई दर के 5 फीसदी से नीचे आने का जो आंकड़ा है वो राहत देने वाला है. दिसंबर में थोक महंगाई दर 4.95 फीसदी पर आ गई है और इससे पिछले महीने नवंबर में ये 5.85 फीसदी पर रही थी. इसका मुख्य कारण खाद्य महंगाई दर में कमी आना है. दिसंबर में थोक महंगाई दर के तहत खाद्य महंगाई दर में भी गिरावट दर्ज की गई है. दिसंबर में खाद्य महंगाई दर घटकर 0.65 फीसदी पर आ गई है जो नवंबर 2022 में 2.17 फीसदी पर रही थी.

प्राइमरी आर्टिकल्स, मैन्यूफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर के आंकड़े प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर में अच्छी खासी कमी देखी गई है और ये दिसंबर में घटकर 2.38 फीसदी पर आ गई है जबकि नवंबर 2022 में ये 5.52 फीसदी पर रही थी. मैन्यूफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर में भी कमी देखने को मिली है और ये दिसंबर 2022 में घटकर 3.37 फीसदी पर आ गई है. इसकी दर नवंबर 2022 में 3.59 फीसदी पर रही थी. दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर में भी गिरावट आई है. दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर घटकर एक साल के निचले लेवल 5.72 फीसदी पर आ गई है जो नवंबर में 5.88 फीसदी रही थी. दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर में भले ही गिरावट आई हो ये लगातार तीसरा महीना है जब ये ... अभी भी दिसंबर 2021 के मुकाबले ज्यादा है जब खुदरा महंगाई दर 5.66 फीसदी थी.

### आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को क्रिप्टोकरेंसी पर क्यों नहीं हो रहा है यकीन

**नई दिल्ली।** आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए एक बार फिर से क्रिप्टोकरेंसी को बैन करने की बात कही है. उन्होंने पुरजोर तरीके से क्रिप्टो करेंसी का विरोध करते हुए कहा कि क्रिप्टो जुआ के अलावा कुछ नहीं है और क्रिप्टो करेंसी का मूल्य सिर्फ एक छलावा है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि क्रिप्टो का समर्थन करने वाले इसे एक संपत्ति या वित्तीय उत्पाद कहते हैं, लेकिन इसमें कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है और यहां तक कि एक 'ट्यूलिप' भी नहीं है. आरबीआई गवर्नर के क्रिप्टो को लेकर बयान चौंकाने वाले नहीं है लेकिन सवाल ये उठता है कि आखिर क्यों देश की सेंट्रल बैंक को क्रिप्टो पर भरोसा नहीं है. कहीं ऐसा तो नहीं कि क्रिप्टो का विरोध हमें विकास की राह में बाकी दुनिया से पीछे कर दे. इस मामले को समझने के लिए हमने क्रिप्टोकरेंसी के जानकार और रिफ्लैक्सिकल के फाउंडर अजीत खुराना से बात की है. लेकिन उससे पहले आपको क्रिप्टो करेंसी के बारे में कुछ बेसिक बातें जानना जरूरी हैं.

# पत्नी से जबरन संबंध बलात्कार है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट करेगा तय

**नई दिल्ली।** मैरिटल रेप यानी पति के पत्नी से जबरन संबंध बनाने को बलात्कार के दायरे में लाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट 21 मार्च को सुनवाई करेगा. कोर्ट ने केंद्र सरकार को 15 फरवरी तक जवाब दाखिल करने को कहा है. पिछले साल सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया था. यह मामला सुप्रीम कोर्ट में तब पहुंचा था जब दिल्ली हाईकोर्ट के 2 जजों ने इस पर अलग-अलग फैसला दिया था.

11 मई 2022 को मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने पर दिल्ली हाईकोर्ट के 2 जजों ने अलग-अलग राय दी थी. जस्टिस राजीव शकधर ने पति की तरफ से पत्नी के साथ जबरन संबंध बनाने को अपराध माना था. वहीं दूसरे जज, जस्टिस सी हरिशंकर ने कहा था कि कानून में इसे बलात्कार के दायरे से बाहर माना गया है. इसे बदलने की जरूरत नहीं है. दोनों जज इस बात पर सहमत थे कि इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी चाहिए.

**केंद्र की राय अस्पष्ट**-दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने इस मामले में अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग स्टैंड लिया था. 2016 में केंद्र ने कहा कि अगर वैवाहिक जीवन में बने संबंध को बलात्कार न मानने की धारा को रद्द किया गया तो इसके व्यापक दुष्परिणाम होंगे. भारतीय समाज पश्चिमी समाज से अलग है. यहां ऐसी व्यवस्था का नकारात्मक असर हो सकता है. इससे मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी.

### क्या है मामला?

दिल्ली हाई कोर्ट में 2015 से लंबित मुकदमे में आईपीसी की धारा. 375 के अपवाद 2 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई थी. बलात्कार की परिभाषा तय करने वाली धारा 375 के अपवाद 2 में कहा गया है कि अगर पत्नी की उम्र 15 साल से अधिक है, तो पति का उससे जबरन संबंध बनाना बलात्कार नहीं है. इस प्रावधान को आरआईटी फाउंडेशन, आल इंडिया डेमोक्रेटिक वुमेंस एसोसिएशन, खुशबू सैफी समेत कुछ अन्य याचिकाकर्ताओं ने चुनौती दी थी. उनका कहना था कि पत्नी की मर्जी के खिलाफ अगर पति जबरन शारीरिक संबंध बनाता है, तो उसे रेप माना जाना चाहिए. इन याचिकाओं का विरोध करते कई पुरुष अधिकार संगठनों ने भी याचिका दाखिल की थी. उन्होंने कहा था कि अगर धारा 375 के अपवाद 2 को रद्द किया गया, तो इसका व्यापक दुरुपयोग होगा. पति-पत्नी के बीच मनमुटाव या पारिवारिक तनाव के मामलों में भी पति पर रेप का केस दर्ज करवा दिया जाएगा. इससे समाज के लिए ज़रूरी परिवार जैसी संस्था को बहुत नुकसान होगा. सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक हाई कोर्ट के एक फैसले को भी चुनौती देने वाली अपील दाखिल हुई है. कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी से बलात्कार का केस चलाने का आदेश दिया था. उसने भी इसे चुनौती दी है.

## राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश...जैश-ए-मोहम्मद ने बनाया प्लान

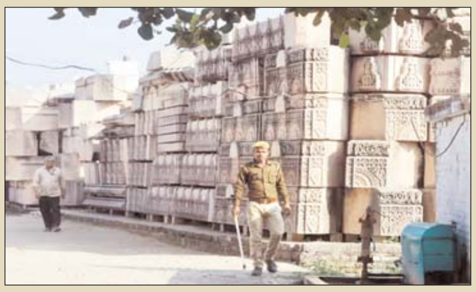

**नई दिल्ली।** गणतंत्र दिवस के मौके पर देश की राजधानी दिल्ली समेत कई बड़े शहरों पर आतंकियों की नजर बनी हुई है. इंटेलिजेंस एजेंसियों को खुफिया जानकारी मिली है कि आतंकी अयोध्या में राम मंदिर को अपना निशाना बना सकते हैं. एजेंसी सूत्रों के मुताबिक, राम मंदिर में सुसाइड बॉम्बर के जरिए हमला करने की साजिश रची जा रही है. दरअसल, एजेंसियों को इनपुट मिला है कि अगले कुछ दिनों में पाकिस्तान का आतंकी संगठन राम मंदिर पर हमले करने का प्लान कर रहे हैं. जैश ए मोहम्मद आतंकी संगठन ने इस हमले की साजिश रची है. नेपाल के रास्ते से भारत में सुसाइड स्क्वॉयड यानी आत्मघाती हमलावर का दस्ता भेजकर हमले का प्लान बनाया गया है. बता दें, राम मंदिर निर्माण का 50 प्रतिशत से ज्यादा काम हो चुका है. यहां सुरक्षा पहले से ही चाक-चौबंद है, वहीं अब इस अलर्ट के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस पहले से ज्यादा अलर्ट हो गई है. इंटेलिजेंस एजेंसियों को पता चला है कि गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली से लेकर पंजाब और देश के कई शहरों में बड़ा हमला करने की आतंकी साजिश रच रहे हैं. पाकिस्तान के आईएसआई इस्लामिक स्टेट अल कायदा ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गों की भी मदद ली है. बताया गया, पाकिस्तान अपने स्लीपर सेल और अवैध रोहिंग्या का इस्तेमाल कर 26 जनवरी के मौके पर दिल्ली और पंजाब में ब्लास्ट करवा सकता है. खबर ये भी है कि अगर 26 जनवरी पर आतंकी प्लान फेल हुआ तो G20 समिट को निशाना बनाया जाएगा.

### एसीपी ने लिफ्ट लेकर की दोस्त की पत्नी से छेड़छाड़

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है. यहां एक दोस्त ने दोस्ती के रिश्ते को शर्मसार करने वाली हरकत कर दी है. राज्य के औरंगाबाद शहर में क्राइम ब्रांच एसीपी विशाल ढुमे ने शराब के नशे में दोस्त की पत्नी के साथ छेड़छाड़ कर दी. एसीपी ने अपने दोस्त के साथ मारपीट भी की. मामले की वजह से शहर की पुलिस में खलबली मची हुई है. मामले की स्वदुक्र सिटी चौक पुलिस थाने में दर्ज की गई है. जानकारी के अनुसार एसीपी विशाल ढुमे शनिवार देर रात एक होटल पहुंचे थे. जहां शराब पीते हुए विशाल की पहचान उनके दोस्त से हो गई. दोस्त अपनी पत्नी के साथ होटल गया हुआ था. शराब पीते समय दोनों के बीच बातें हुई. इस दौरान विशाल ने बताया कि उसके पास गाड़ी नहीं है. जिसकी वजह से उसने दोस्त से लिफ्ट मांगी थी उसके घर तक छोड़ दे.

## 40 हजार जवानों का पहला बैच तैयार पीएम मोदी ने की अग्निवीरों से बात

**नई दिल्ली।** सेना में भर्ती के लिए चलाई गई अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों का पहला बैच छह महीने की कड़ी ट्रेनिंग के बाद तैयार हो गया है. देश की रक्षा के लिए अग्निवीर एकदम तैयार हैं. सोमवार (16 जनवरी) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अग्निवीरों के पहले बैच के साथ संवाद किया. पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अग्निवीरों को संबोधित किया. पहले बैच में 40 हजार अग्निवीर तैयार हुए हैं. इन्हें भारतीय सेना के 10 अलग-अलग रेजिमेंटल सेंटरों में प्रशिक्षण दिया गया है. पीएम मोदी के अलावा, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अग्निवीरों को संबोधित किया. जल, थल और वायुसेना के लिए ये अग्निवीर तैयार हुए हैं. अलग-अलग हथियारों की ट्रेनिंग मिल सके, इसलिए अग्निवीरों को अलग-अलग रेजिमेंटल सेंटरों में ट्रेनिंग दी जाती है.

## अमीर-गरीब के बीच खाई बढ़ी, 1 प्रतिशत धन्नासेठों के पास है देश की 40 फीसदी दौलत

**नई दिल्ली।** देश में अमीरों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है और इसका सबूत है दुनिया के टॉप धनवानों की लिस्ट में भारतीय का बढ़ता वर्चस्व. देश की दौलत को लेकर एक कड़वी सच्चाई ये भी है कि कहा जाता है कि अमीर और अमीर हो रहे हैं जबकि गरीब और गरीब हो रहे हैं. अब एक ऐसी रिपोर्ट आई है जिससे ये बात और भी साफ तौर पर दिखाई दे रही है कि यहां के दौलतमंदों के पास देश की ज्यादातर संपत्ति आ चुकी है यानी अमीर और गरीब के बीच की खाई का अंतर और गहरा हो गया है. आज एक नई स्टडी के मुताबिक देश की 40 फीसदी से ज्यादा दौलत का हक देश के एक फीसदी सबसे ज्यादा अमीरों के पास है. वहीं देश की 50 फीसदी जनसंख्या के पास कुल मिलाकर देश की केवल 3 फीसदी वैल्थ ही बरकरार है. वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की सालाना बैठक के दौरान ऑक्सफेम इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट आई है जिसके मुताबिक ये बताया गया है कि अगर भारत के 10 सबसे धनवान लोगों पर 5 फीसदी की दर से टैक्स लगाया जाए तो ये पूरा पैसा इतना हो जाएगा जिससे देश के बच्चों को वापस स्कूल भेजा जा सकेगा. ऑक्सफेम की रिपोर्ट के मुताबिक अगर देश के सबसे अमीर शख्स अरबपति गौतम अडानी के अनरियलाइज्ड गेन्स पर वन-ऑफ टैक्स लगाया जाए तो ये करीब 1.79 लाख करोड़ रुपये बैठेगा. इतनी रकम से देश में एक साल के लिए पचास लाख प्राइमरी टीचर्स से ज्यादा को नौकरी पर रखा जा सकता है. ऑक्सफेम की रिपोर्ट जिसका शीर्षक है, में आगे कहा गया है कि भारत में अमीरों की नेटवर्थ बढ़ती जा रही है और गरीबों के लिए साधारण जीवनयापन करना भी मुश्किल होता जा रहा है.

## 2007 के बाद हर चुनाव में कम हुआ है बीएसपी का वोट बैंक

बीएसपी प्रमुख मायावती का रविवार को जन्मदिन था. इस मौके पर बसपा प्रमुख ने लखनऊ स्थित पार्टी दफ्तर में मीडिया को संबोधित किया. इस दौरान मायावती ने पार्टी के घटते जनाधार पर बयान दिया. उन्होंने कहा, जब तक चुनाव बैलेट पेपर पर होते रहे तब तक बसपा के न वोट प्रतिशत और न ही जनाधार कम हुआ है और हमारी सीटें भी बढ़ी हैं. लेकिन जब से ईवीएम से चुनाव हुए तब से हमारे वोट प्रतिशत और हमारी सीटों की संख्या पर प्रभाव पड़ा है.

हालांकि हम मायावती के बयान से अलग आंकड़ों के जरिए बीएसपी के घटते जनाधार पर एक नजर डालते हैं. साल 2007 के विधानसभा चुनाव में बीएसपी ने यूपी में सरकार बनाई थी. तब मायावती यूपी की

मुख्यमंत्री बनी थीं. इस चुनाव में बीएसपी को करीब 36 फीसदी वोट मिले थे. लेकिन 2012 के चुनाव में स्थिति बदल गई और तब सपा ने पूर्ण बहुमत से यूपी में सरकार बनाई थी. 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा को जहां 226 सीटों पर जीत मिली तो दूसरी ओर बीएसपी को केवल 80 सीटों पर संतोष करना पड़ा. इसके इस चुनाव में बीएसपी के वोट बैंक में दस फीसदी की गिरावट दर्ज की गई. 2017 में यूपी में फिर से विधानसभा चुनाव हुए और इस बार बीजेपी की लहर में न केवल सपा की सरकार गई, बल्कि बीएसपी का 2012 से भी ज्यादा बुरा हाल हुआ. 2017 के विधानसभा चुनाव में बीएसपी को यूपी में केवल 19 सीटों पर जीत मिली. इस चुनाव में बीएसपी के वोट शेयर में 2017 के मुकाबले चार फीसदी की गिरावट दर्ज की गई. इस बार पार्टी को केवल 22 फीसदी वोट मिले थे. 2022 के विधानसभा चुनाव में बीएसपी को मात्र एक सीट पर जीत मिली. इस बार पार्टी को केवल 13 फीसदी वोट मिले, जो बीते 15 सालों में सबसे कम था.

# 72 घंटे का कोल्ड अटैक, दिल्ली में पारा 1.4

**दिल्ली।** दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है. ठंड और कोहरे के कारण सबसे ज्यादा ट्रेनें और यातायात प्रभावित हो रहा है. रेलवे की ज्यादातर ट्रेनें देरी से चल रही हैं. कुछ राज्यों में 3 दिनों तक का यलो अलर्ट भी जारी कर दिया गया है. आज सोमवार सुबह दिल्ली में इस मौसम का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया. आईएमडी के अनुसार राजधानी लोधी रोड पर 1.6 डिग्री सेल्सियस जबकि सफदरजंग 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 16 से 18 जनवरी तक उत्तरी पश्चिमी भारत में शीतलहर की स्थिति रहने का अनुमान लगाया गया है.

**18 से 20 जनवरी के बीच बारिश और बर्फबारी**-जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मौसम कार्यालय ने बताया कि 18 से 20 जनवरी के बीच बारिश और बर्फबारी हो सकती है. जानकारी के मुताबिक 17 जनवरी तक उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में लगभग 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान है. रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार,ट्रेनें लेट होने की वजह से कई ट्रेनों को फिर से शेड्यूल किया गया है और बहुत सी ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है. ऐसे में ट्रेन की बुकिंग टिकट को कैंसिल करके रिफंड ले सकते है.रेलवे की ओर से जारी किए

गए लिस्ट के अनुसार, कोहरे के कारण उत्तर रेलवे में भारतीय रेलवे की 13 ट्रेनें देरी से चल रही हैं.

**यलो अलर्ट जारी**-मौसम विभाग ने कोहरे और ठंड के प्रकोप को देखते हुए देश की राजधानी में 16 से 18 जनवरी तक तीन दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है. साथ ही विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने के लिए भी कहा है. येलो अलर्ट तब जारी किया जाता है जब खतरा ज्यादा न हो, लेकिन कभी भी मौसम की स्थिति खराब हो सकती है. जिसकी वजह से आपको तैयार रहने की जरूरत होती है. मौसम वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर भारत समेत राजधानी में 'शीत दिवस' रहने की संभावना भी हो सकती है. 'शीत दिवस' तब होता है जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस से कम या उसके बराबर होता है और अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस कम होता है. विभाग के मुताबिक 18 से 20 जनवरी के दौरान धीरे-धीरे 3-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है. इसके अलावा अनुमान के मुताबिक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई हिस्सों में 18 तारीख तक शीतलहर की स्थिति रहेगी. इस दौरान कोहरे और गलन भी बढ़ सकती है. जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी 18 जनवरी से 20 जनवरी के बीच बारिश और बर्फबारी हो सकती है. इसके अलावा अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम में तापमान -10.9 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और गुलमर्ग में -10.4 डिग्री सेल्सियस तक. मौसम विभाग के अनुसार कि ऊंचाई वाले इलाकों में कई स्थानों पर मध्यम बर्फबारी की संभावना है. घाटी के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी होने की उम्मीद है.कश्मीर फिलहाल 40 दिनों की भयंकर सर्दी 'चिल्लई-कलां' की गिरफ्त में है. इस वक्त ज्यादातर इलाकों में स्नोफॉल होने की संभावना रहती है. दिल्ली में रविवार 15 जनवरी का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया. राजधानी के सफदरजंग में रविवार को न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री दर्ज किया गया. जफरपुर में 2.6 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड 3.8 और आया नगर में 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसके अलावा मंगलवार 17 जनवरी और 18 जनवरी दोनों दिन मध्यम कोहरा रहने की संभावना है. 200-500 मीटर की दृश्यता होने पर इसे मध्यम कोहरा और 200 मीटर से कम विजिबिलिटी होने पर घना कोहरा दर्ज किया जाता है.

# पिछोर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक की पेड़ पर लटकी मिली लाश

**पिछोर।** मृतक हत्या के आरोप में आरोपी था। मृतक अपने गांव की एक 2 बच्चों की मां को भगाकर ले गया था। मृतक 2 दिन पूर्व ही अहमदाबाद से लौटा था। मृतक की परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है और कहां कि उसे 11 जनवरी को धमकी दी गई थी। जानकारी के अनुसार पिछोर थाना क्षेत्र की सीमा में आने वाले फील्ड फायरिंग रेंज मे एक बरगद के पेड़ पर युवक की लाश शनिवार की सुबह 7 बजे लटकी मिली है। युवक की पहचान घटवरा गांव का भरत लोधी के रूप में हुई थी। भरत अपने गांव में पास में रहने वाली 2 बच्चों की मां प्रियंका लोधी को अपने साथ 3 माह पूर्व अपने साथ भगा ले गया था। बताया जा रहा है कि भरत लोधी अपने साथ अहमदाबाद लेकर गया था वही यह मजदूरी का कार्य कर रहे थे। 1 माह पूर्व यह दोनो ग्वालियर आए और एक शपथ पत्र वनवाकर परिजनों को प्रियंका ने भेजा था कि में अपनी मर्जी से भरत लोधी के साथ रह रही हूं। जानकारी मिल रही है भरत लोधी और प्रियंका अपने आप को पति पत्नी बताकर रह रहे थे,इसलिए प्रियंका अपने बच्चो को लेने अपने मायके आई थी और प्रियंका के साथ भरत

लोधी भी आया था वह अपने गांव आ गया था। लेकिन प्रियंका के पति कल्याण का जानकरी मिल गई थी उसकी पत्नी मायके में आ गई तो वह उसे झांसी से ले आया था।

**वही परिजनों ने बताई एक अलग कहानी**-मृतक के भाई अरविंद लोधी ने बताया है कि उसके पास बीते 11 जनवरी को भाई भरत का फोन आया कि उसकी जान खतरे में है। उसे प्रियंका का देवर राहुल लोधी निवासी चिलगांवा,रामकुमार लोधी बदहाबास, साहब सिंह लोधी निवासी बाचरौन मरना चाहते है उसे बचा ले। जिसके चलते युवक के भाई ने इस मामले की सूचना पिछोर थाना पुलिस में लेते हुए भाई से संपर्क नहीं होने की बात कही।

**अविवाहित था, जेल जाने के कारण नहीं हुई शादी**-मृतक भरत लोधी अविवाहित था और उसके दोनो भाईयो की शादी हो चुकी थी,बताया जा रहा है कि मृतक भरत लोधी एक हत्या के मामले में न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और वह चार साल जेल की सजा काट चुका था वर्तमान में जमानत पर चल रहा था। जेल जाने कारण उसकी शादी नहीं हुई थी। इसलिए उसका अफेयर 2 बच्चों की मां के साथ चल रहा था। बताया जा रहा है कि जब भरत प्रियंका को लेकर भाग गया था तो प्रियंका पति और उसका परिवार भरत के परिवार से विवाद करते थे। इस कारण भरत का विवाद भी अपने भाईयो से इस कारण होता रहता था। अंत में पुलिस ने इस मामले में लाश का पीएम कराते हुए इस मामले की जांच में जुट गई है।

**पिछोर थाना पुलिस एसआई शैलेंद्र सिंह चौहान**

## यात्रा सप्ताह के छठवें दिन ऑटो चालकों ने यातायात नियमों के पालन करने की ली शपथ

### जेसीआई डायनेमिक की महिलाएं रहे शामिल

**अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी-यातायात सप्ताह के छठवें दिन आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल सर द्वारा लगभग 100 ऑटो चालकों से पोलो ग्राउंड में यातायात नियमों को लेकर बातचीत की एवं उनका पालन करने के निर्देश भी दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उन्हें शराब ना पीकर वाहन चलाने को कहा एवं सवारी से अच्छा व्यवहार करने को भी कहा। ऑटो चालकों ने अस्पताल में मरीज ले जाने पर पार्किंग ठेकेदार द्वारा शुल्क लेने की बात कही तो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया कि अस्पताल में मरीज लाने ले जाने पर उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा साथ ही उन्हें यातायात नियमों का पालन करना होगा एवं वर्दी, नेमप्लेट पहनकर ही ऑटो चलाना होगा। यातायात पुलिस द्वारा जेसीआई डायनेमिक एवं एनसीसी के बच्चों के साथ मिलकर ट्रैफिक सिग्नल ग्वालियर बायपास एवं गुरुद्वारा पर लोगों को ट्रैफिक रूल्स के बारे में एवं सिग्नल पालन करने के बारे में समझाइश दी एवं वहां जितने भी हेलमेट धारण करके वाहन चालक मिले उनका पुष्प देकर सम्मान भी किया गया। इसके साथ ही साइंस कॉलेज में एनएसएस के बच्चों का सेमिनार लिया गया जिसमें उन्हें यातायात के नियमों की जानकारी भी दी गई। इस दौरान यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव, सूबेदार नीतू अवस्थी, सूबेदार प्रियंका घोष, जेसीआई शिवपुरी डायनेमिक की अध्यक्ष जेसी अनु मित्तल, जेसीआई डायनेमिक की आईपीपी जेसी किरण उप्पल, सचिव जेसी कविता अरोरा, वाइस प्रेसिडेंट जेसी पिंकी गोस्वामी, कोषाध्यक्ष जेसी शैलजा शर्मा, नीड ब्लड कॉल जेसी मोनिका तोमर, जेसी कविता धाकड़, जेसी सोनलता गॉड़, एनएसएस सेमोहित यादव, वंशिका अग्रवाल, नेहा बगेशरिया, नीलम शर्मा, प्रद्युम्न गोस्वामी, निहारिका पाराशर, मुस्कान, तानिया शिवहरे उपस्थित रहे।

## काम की तलाश में आये युवक की होटल महाकाल मैं मिली लाश

**अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे**

**शिवपुरी**- खबर कोतवाली थाना

क्षेत्र अंतर्गत आने वाली पूरी बस स्टैंड पर स्थित होटल महाकाल में आज दोपहर सूचना मिली कि कोई व्यक्ति की लाश कमरे में मिली है प्राप्त जानकारी के अनुसार होटल महाकाल सॉरी बस स्टैंड के सामने के एक कमरे में पीयूष पेंडलवार पुत्र के. पी.पेंडलवार उम्र 36 वर्ष निवासी बाबा तालाब के पास 17 मार्ग मैहर जो कि 13 तारीख से हमसे होटल महाकाल में रखा हुआ था जिसकी आज 12ः00 बजे के समय होटल स्टाफ ने चेक आउट करने का समय पूछने के लिए कमरे में गए तो वहां पर वह मृत पाया गया जिसकी जानकारी होटल मालिक ने तुरंत पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का निरीक्षण किया और उसको मृतक पाया पुलिस द्वारा मृतक के परिवार को सूचना दी गई जो सतना से शिवपुरी के लिए रवाना हो गए हैं उनके आने के बाद में मृतक का पीएम कराया जाएगा जिससे मृत्यु का कारण पता चल सके पुलिस द्वारा बताया गया कि युवक काम की तलाश में सतना से शिवपुरी आया था

## गहोई समाज लहार ने मनाया गहोई दिवस,राष्ट्रीय स्तर पर हो गहोई एकता की शुरुवातः सतीश गुप्ता डिस्को

**अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे**

**लहार।** नगर लहार में गहोई समाज द्वारा गहोई भवन लहार में बड़े ही हर्ष के साथ मनाया गया गहोई दिवस।इस अवसर सभी गड़मान्य पदाधिकारीयो को माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।सतीश गुप्ता डिस्को ने कहा समाज हो रही कुरीतियों को हमे समाप्त करना चाहिए एवं लहार समाज का डंका पुरे देश में बजना चाहिए।पारस गुप्ता ने कहा गहोई समाज लहार में परिवार मिलन एवं परिचय सम्मेलन जैसे

कार्यक्रम की अब समाज को बहुत जरूरत है।पारस गुप्ता ने कहा भवन निर्माण करना अच्छी बात है किन्तु उसके साथ हमे समाज निर्माण पर भी चिंता करने जरूरत है जिससे समाज में हो रही कुरुति एवं वैमनष्यता जैसी दीमक को खत्म किया जा सकता है एवं समाज की एकता की मिशाल कायम की जा सकती है।पारस ने कहा आगामी कार्यक्रम बहुत ही जोरदारी से गहोई समाज लहार मनाएगा एवं आगामी कार्यक्रम की जिम्मेदारी स्वयं लेता हूँ बस आपका साथ चाहिए मै समाज के लिए सदैव तैयार हूँ।इसी बेला में कार्यक्रम का आभार एवं समापन लहार मंडल के अध्यक्ष श्री हरिबाबू जी गुप्ता ने किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में गहोई परिवार के लोग शामिल हुए।

## श्री सम्मेद शिखर सम्पूर्ण भारतीयों का तीर्थस्थल है : पंकज त्रिपाठी

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । जैन समाज के तीर्थ श्री सम्मेद शिखर को अहिंसा तीर्थ घोषित कराने के लिए जैन समाज के साथ सर्व समाज सामुहिक रूप से केंद्र सरकार से विगत कई दिनों से मांग कर रहा है।श्री सम्मेद शिखर के

सम्मान में जैन समाज द्वारा पूर्व से घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज संपूर्ण भिंड जिला बंद रहा।श्री सम्मेद शिखर के सम्मान में मुनि प्रतीक सागर महाराज के नेतृत्व में लहार चौराहा रो? से विराट आक्रोश महारैली में हजारों की संख्या में जैन समाज के पुरूष और महिलाओ के अलावा अन्य समाज के भी लोगों ने जैन समाज के इस महारैली में शामिल होकर भाग लिया। विराट आक्रोश महारैली का नेतृत्व मुनि प्रतीक सागर महाराज जी ने किया। विराट आक्रोश महारैली शहर के ह्रदय स्थल परेड चौराहा पर आकर एक विशाल जनसभा में तब्दील हो गई विशाल जनसभा को मुनि प्रतीक सागर महाराज ने संबोधित किया। जैन समाज द्वारा आयोजित विराट आक्रोश महारैली को सवर्ण समाज सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी (पत्रकार) ने अपने कई साथियों के साथ पहुंच कर समर्थन दिया। सवर्ण समाज सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी पत्रकार ने कहा कि जैन समाज का श्री सम्मेद शिखर तीर्थ स्थल है,जैन समाज द्वारा सरकार से तीर्थ स्थल की जो मांग है वह बिल्कुल सही है।श्री सम्मेद शिखर के सम्मान में सम्पूर्ण भारतवासी एक साथ है।केंद्र सरकार से जैन समाज की इस मांग पर विशेष महत्व देकर समस्या का जल्द निराकरण करने की मांग की है।

## खनन टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक

**स्टेट हेड झारखंड-आनंद शाही**

हड़ारीबागः- ज़िला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त नैन्सी सहाय ने कहा खनन माफियाओं पर योजनाबद्ध तरीके से लगातार संयुक्त कारवाई किया जाए। सभी संबंधित विभाग बेहतर तालमेल से अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए नियमित और संयुक्त अभियान चलाए। साथ ही कारवाई किए गए अवैध खनन वाले स्थान पर पुनः अवैध गतिविधि न हो इसके लिए उक्त स्थलों की समय-समय पर मॉनिटरिंग करते रहने का निर्देश दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक ने कहा थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी संयुक्त टीम बनाकर खनन माफियाओं पर कार्रवाई करें। माफियाओं पर कार्रवाई के दौरान पर्याप्त मात्रा में बल पुलिस बल की उपलब्धता कराई जाएगी। समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता विद्युत को इचाक अंचल के सडाम मौजा तथा पदमा प्रखंड के सोनपुरा में अवैध क्रशर के समीप अवस्थित ट्रांसफार्मर को हटाने का निर्देश दिया गया। सीसीएल तथा एनटीपीसी के माध्यम से कोयला परिवहन में लगे वाहनों से प्रदूषण की रोकथाम निवारण एवं मानकों के अनुरूप सुरक्षात्मक परिवहन नियमों की अवहेलना करने वाले वाहनों पर जिला परिवहन पदाधिकारी को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा बड़कागांव, केरेडारी वन क्षेत्र में अवैध कोयले के खनन भंडारण, साथ ही बड़कागांव, केरेडारी, विष्णुगढ़ क्षेत्र में नदियों से अवैध बालू उत्खनन व ट्रैक्टर, हाईवा से बालू का परिवहन पर रोकथाम के लिए अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

### अवैध खनन, परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने की रणनीति पर हुई चर्चा

उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में पुलिस अधीक्षक चोथे मनोज रतन, डीएफओ, अपर समाहर्ता राकेश रोशन, परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल अधिकारी सदर विद्याभूषण कुमार, बरही एसडीएमएम पूनम कुजूर, ज़िला खनन अधिकारी सहित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डीएसपी, सभी अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी सहित टास्क फोर्स के अधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद थे।

**आगामी सरस्वती पूजा के मद्देनजर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता जरूरी-पुलिस अधीक्षक**-आगामी सरस्वती पूजा के दौरान विधि व्यवस्था में कोई व्यवधान न हो इसको लेकर पुलिस अधीक्षक ने कहा सभी थाना प्रभारी व अंचल अधिकारी आयोजित होने वाले पूजा पंडालों की सूची तैयार करने एवं प्रतिमा विसर्जन मार्ग, विसर्जन स्थल, समय की जानकारी संकलित कर आयोजनकर्ताओ की जानकारी संकलित करें। विधि व्यवस्था के लिए आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती पूजा के दौरान की जायेगी। उन्होंने कहा विसर्जन के दौरान डीजे पर प्रतिबंध लागू रहेगा। सादगी से पूजा पंडालों पर पूजा-आरती के लिए साउंड बॉक्स अथवा लाउड स्पीकर का इस्तेमाल किया जा सकता है।

## अपना इम्प्लॉई क्लब, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय भेंट मिलाप कार्यक्रम में पुरे भारत के अधिकारी, कर्मचारी व सामाजिक बंधुओं ने लिया हिस्सा

**लखनऊ/** अपना इम्प्लाई क्लब,भारत द्वारा अभिनन्दन रिसॉर्ट, कनौजिया सिटी, मोहान रोड, लखनऊ में आयोजित राष्टीभेंट-मिलाप कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित भारत के कई प्रदेशों से हजारों की संख्या में अधिकारी, कर्मचारी व सामाजिक बंधुओ ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक अनूप कनौजिया ने आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा की हम सभी अधिकारियो/कर्मचारियों व सामाजिक बन्धुओं का प्रयास होना चाहिए की निःस्वार्थ भाव से एक दूसरे से परिचय व संपर्क बनाकर समाज के बंधुओ की मदद कर मजबूत बनाना होगा। यह कार्य पुरे भारत में लगातार होते रहने चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ सीमा माथुर ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा की समाज को मजबूत स्थिति में लाने के लिए गाँव गाँव शिक्षा की तरफ धरातल पर काम करना होगा। वर्तमान शिक्षा प्रणाली व पाठ्यक्रम में दाखिले की चुनौतियों पर जानकारी देनी होंगी। शिक्षा से ही समाज मजबूत होगा।इस तरह के कार्यक्रम इंटरनेशनल स्तर के किया जाना चाहिए जिसमें अन्य देशों के बंधुओ से सहयोग मिल सके।

कार्यक्रम के संचालक आईआईएस जय सिंह ने कई प्रदेश से आये हुए सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा की समाज को मजबूत करने के लिए सभी को सामान रूप से सकारात्मक सोच के साथ मदद करना होगा। जब तक एक दूसरे का साथ व सहयोग नहीं मिलेगा तब तक किसी भी तरह से मजबूत और निर्णायक स्थिति में नहीं आ सकते। रणनीति तय करके हर साल देश में 50 से 60 आईएएस बनाने का सपना पूरा करना होगा। यह तभी संभव है जब हर अधिकारी अपना कर्तब्य ईमानदारी से निभाकर तैयारी करने वाले बच्चों का मार्गदर्शन करेंगे। अपना ईगो त्यागकर समाज के लोगों के बीच जाकर

उनकी समस्याओं के समाधान करने में मदद करना होगा। इस कार्यक्रम में सभी सेवाओं व क्षेत्र यानि आईएएस, आईपीएस, आईआईएस, पीसीएस, डॉक्टर, इन्जीनियर, न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रोड़ेसर, आईएएस कोचिंग के डायरेक्टर, टीचर सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी / कर्मचारी व सामाजिक बंधुओ की मौजूदगी रही।कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में कनौजिया सिटी के चेयरमैन सोनू कनौजिया ने बताया की समाज को मजबूत स्थिति में देखने के लिए समाज के हर वर्ग को ईमानदारी के साथ मदद के लिए आगे आना होगा।लक्ष्य निर्धारित करके समाज को संगठित करने के लिए कठिन मेहनत करना ही होगा। वक्ता के रूप में जलराजन चौधरी, पीसीएस, एसडीएम, आड़मगड़ ने उपस्थित बन्धुओं को बताया की जब तक हम अपने इतिहास को नहीं जानेगे तब तक भटकते रहेंगे, हमे अपने इतिहास को लिखना होगा तथा सभी के बीच जाना होगा अपना निर्णायक ड्डुद ही बनाना होगा, कभी भी अपने को कमजोर या कमतर नहीं समझाना चाहिए। समाजसेविका सरोज सिंह ने उपस्थित महिलाओ से अपील की कि समाज में ब्याप्त कुरुतियों और अंधविश्वास को दूर कर मानसिक गुलामी से निकलना होगा। इसके लिए गाँव गाँव में महिलाओं को समझाना होगा। तभी महिलाएं भी आगे आ सकेगी। वक्ता के रूप में ई0 सत्य प्रकाश ने कहा की समाज के लोगो को हमेशा सकारात्मक सोच के साथ किसी भी काम को करने की जरुरत है, हम जल्दी ही किसी काम को लेकर हताश हो जाते है इससे बचना है 7 बच्चों को हर हाल में उच्च शिक्षा देकर उनको उनकी मंजिल तक पहुचने के लिए प्रेरित किया जाना बहुत ही आवश्यक है, जिसमें अधिकारियों के सहयोग की जरुरत है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोड़ेसर डॉ0 रुक्मिणी चौधरी ने बताया की वर्तमान परिवेश के अनुसार समाज के बच्चों को तकनीकी शिक्षा और व्यवसायिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। महिलाओं को भी समाज में निकलकर कार्य करना होगा तभी पूरी तरह से मजाबूती आएगी। समाजसेविका सरोज सिंह ने उपस्थित महिलाओ से अपील की कि समाज में ब्याप्त कुरुतियों और अंधविश्वास को दूर कर मानसिक गुलामी से निकलना होगा। इसके लिए गाँव गाँव में महिलाओं को समझाना होगा। तभी महिलाएं भी आगे आ सकेगी। महाराष्ट्र प्रदेश से राहुल वर्णनकार ने युवाओं को एकजुटता दिखाकर समाज को मजबूत करने कि बात कही। इस कार्यक्रम में विनोद चौधरी, पीसीएस, मोनू कनौजिया, पार्षद, पीसी चौधरी, पीसीएस, कृष्ण गोपाल कनौजिया, संजीव कुमार, राजेश कुमार, गया प्रसाद, पवन दिवाकर, डॉ नवल किशोर, गीता गाडगे, प्रेम कुमार, किरन वर्मा ने भी संबोधित किया। इस तरह के आयोजन का उद्देश्य आपसी संबंधों को मजबूत करते हुए एक दूसरे की हर स्तर पर मदद करना है। बताते चलें कि सोशल मीडिया के जरिए ऐसे कई विकासात्मक कार्य हुए हैं जिनमें लोकतंत्र को समृद्ध बनाने का काम हुआ है, जिसमें किसी भी देश की एकता अखंडता पंथनिरपेक्षता समाजवादी गुणों में अभिवृद्धि हुई है। इस भेंट-मिलाप कार्यक्रम में पत्रकार मुकेश मानव, विनय माथुर,राहुल कनौजिया, पूनम कनौजिया, विपिन कुमार, मुनेश्वर प्रसाद, अशोक कनौजिया, धीरेन्द्र वर्मा, सहित एक हजार से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों व सामाजिक बन्धुओं ने हिस्सा लिया।

# राष्ट्रीय मानव अधिकार सेवा संगठन गरीबों की सेवा के लिए कर रहा है सेवाभाव से कार्य

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । राष्ट्रीय मानव अधिकार सेवा संगठन द्वारा ज्ञान चंद जैन के पुण्यतिथि पर जौरासी मंदिर पर भोजन वितरण किया गया और उनके छायाचित्र पर परिवार जनों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला मंत्री एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार सेवा संगठन चंबल संभाग की अध्यक्ष सरोज जैन ने कहा किराष्ट्रीय मानव अधिकार सेवा संगठन भारत के समस्त पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए हर्ष हो रहा है राष्ट्रीय मानव अधिकार सेवा संगठन अपने हर कदम पर गरीबों का हित देखकर आगे चल रहा है इसी कड़ी में हमारी चंबल संभाग की अध्यक्षा सरोज जैन द्वारा अपने दादा श्री ज्ञानचंद की पुण्यतिथि पर हनुमान मंदिर जोरासी पर जाकर ढूंढ ढूंढ कर गरीब लोगों को भोजन वितरण किया गया इस कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर एम एल शर्मा केंद्रीय प्रमुख सचिव कैप्टन डॉ राजेश शर्मा मध्य प्रदेश के डिप्टी डायरेक्टर शालिनी जैन संभागीय अध्यक्ष सरोज जैन के पुत्र आदित्य जैनजिले की उपाध्यक्ष शुभ लक्ष्मी जैन बहु पीयूष पुत्र वधू प्रियंक छोटे दामाद छोटी बेटी संभागीय

महामंत्री श्रीमती सोना जैन उनकी लाडली बेटी मोना जैन,सम्राट जैन, एवंसैकड़ों की संख्या में संगठन के के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए बाद में बिलवगांव में जाकर के उनके कारखाने पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन कराया गया ईश्वर पुण्य आत्मा ज्ञानचंद को शांति प्रदान करें एवं परिवार की हर मनोकामना को पूर्ण कर हर कदम पर कामयाबी हासिल करें यही संगठन की कामना है यही उद्देश्य है हम लड़ते हैं न्याय के लिए न्याय जलाना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है गरीबों का उत्थान हमने मन में ठाना है सभी को उनको ऊंचा उठाना है जय हिंद जय भारत आपका राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हेमंत सर,विशेष रुप से उपस्थित रहकर के कार्यक्रम को प्रभावी बनाया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर जरूरतमंद लोगों को और कुछ गरीब और भूखे असहाय दिव्यांग जनों को आनंद जैन के जन्मदिन के उपलक्ष में कंबल बांटे गए। तथा सर्व सदन आश्रम में भी कमरों का एवं अकेला एमसेल फलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मी जैन, आनंद जैन,रूपाली जैन,आर्यन जैन,यश जैन, सोना जैन, शशि जैन,आरूष जैन ने समाज सेवा का भाव लेते हुए गरीबों को भोजन भी करा कर उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया।

## विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने राजगीर के तर्ज़ पर कनहरी पहाड़ी क्षेत्र में ग्लास ब्रिज बनाने की मांग मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री से की

**स्टेट हेड झारखंड-आनंद शाही**

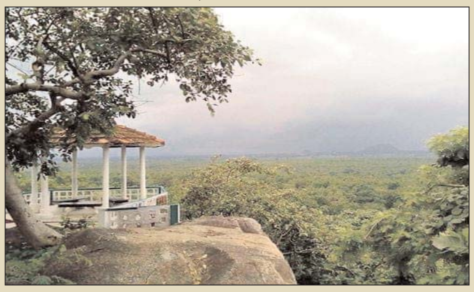

**हजारीबाग।** सदर विधायक मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पर्यटन मंत्री हफीजुल हसन को ट्वीट कर बिहार राज्य के राजगीर के तर्ज पर झारखंड राज्य के हजारीबाग जिला स्थित कनहरी पहाड़ क्षेत्र में पर्यटन को विकसित करते हुए ग्लास ब्रिज बनाने की मांग की। विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया की कनहरी पहाड़ की प्रकृति खूबसूरती अनोखी है और पहाड़ी क्षेत्र से प्राकृतिक नैसर्गिक सुंदरता का दृश्य अद्भुत और विहंगम दिखता है। यहां ग्लास ब्रिज बनाने से इस क्षेत्र के पर्यटकों का जुड़ाव बढ़ेगा और सरकार को भी बड़े राजस्व की आमदनी होगी । विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि कनहरी क्षेत्र के विकास को लेकर विधायक मनीष जायसवाल हमेशा प्रयासारत रहें हैं और सदन पटल पर मुखरता से इस मामले को उठाते रहें हैं।

## दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

**पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा**

हैदराबाद~ सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुड़ा वडेर के तेलंगाना के तत्वाधान में दो

दिवसीय खेल प्रतियोगिताएं रखा गया जिसमें क्रिकेट प्रतियोगिता एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजन रखा गया अलमासगुड़ा स्थित एम. सी.जी. ग्राउंड में आजोजन हुआ ।जिसमें क्रिकेट के चैंपियन विजेता

टीम हायत नगर एवं उपविजेता बीएन रेड्डी नगर एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चैंपियन विजेता जीडिमेट्ला रही।उप विजेता श्री आईजी स्पोर्ट्स क्लब अलमासगुडां रही ।तिसरे विजेता श्री दादाजी स्पोर्ट्स क्लब रही।बेस्ट प्लेयर्स ऑफ टूर्नामेंट गोविंद सोंलकी, बेस्ट शूटर यशंवत बरपा ,बेस्ट नेटर विक्रम चोयल ,रहे।विजेता व उपविजेता के सभी खिलाड़ीयों को ट्रॉफी व कप प्रदान कर सम्मानित किया ।संस्था के अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा ने सफल आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ता एंव पदाधिकारीयों का धन्यवाद देकर आभार वक्त किया ।इस अवसर पर संस्था के सचिव हिरालाल सैणचा ने बताया की मैच का शुभारंभ प्रात~ 8 बजे आईमाताजी की आरती व राष्ट गान के पश्चात हुआ । ओर सुबह आठ बजे वडेर प्रागंण में नास्ता व दोपहर को भोजन प्रसाद एंव शाम को सेनेक्स रखा गया । खिलाड़ियो को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए खिलाडीयों को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया। इस मौके बाहर से पधारे अखिल भारतीय सीरवी महासभा के अध्यक्ष महोदय हरजीराम काग,सचिव महोदय मोहनलाल एवं श्री आईजी बाल संस्कार केंद्र के संपादक देवाराम, काग एवं पर खेल मंत्री धनराज चौहान एवं खेल मंत्री 2 डुगाराम सोलंकी ने कहा की समाज में खेलकूद के आयोजन होने चाहिए। इस प्रतियोगिता आयोजित कार्यक्रम में भोजन की व्यवस्था रखी गई थी। क्रिकेट प्रतियोगिता में चैंपियन टीम को खेल मंत्री डूंगा राम सोलंकी द्वारा 11111 रुपए का नगद पुरस्कार एवं उपविजेता टीम को ?5111 नगर पुरस्कार एवं वॉलीबॉल के चैंपियन टीम को ?5100 का नगद पुरस्कार एवं सेकंड उपविजेता टीम को ?2100 का नगद पुरस्कार यह सेकंड खेल मंत्री डूंगा राम सोलंकी द्वारा दिया गया ।उसके लिए समाज की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद दिया

## मुंगावली निर्माणाधीन है विश्व के तीसरे नंबर का मंदिर

**मुंगावली।** राम इच्छाकुटी के निर्माणाधीन है विश्व के तीसरे नंबर का मंदिर इस मंदिर की महत्वपूर्ण विशेषता है कि दीवारों पर रामचरितमानस का लिखा जाना भगवान श्री राम के संपूर्ण जीवन चरित्र पर आधारित महाकाव्य रामायण को राजस्थान के संगमरमर के पत्थरों पर उतरा गया है जो कि मंदिर की दीवारों पर लगाए जाएंगे इस मंदिर का निर्माण कार्य महंत श्री 1008 नरोत्तम दास जी महाराज ने काशी पीठ के शंकराचार्य के मार्गदर्शन में भव्य मंदिर निर्माण का शिलान्यास किया गया था इस राम इच्छा कुटी में सन 1991 से लगभग 20 से 32 वर्षों से लगातार अखंड रामायण पाठ भी चल रहा है यदि पूरा हिंदू धर्म के अनुभवी मंदिर निर्माण में रूचि दिखाते तो कई वर्षों पहले ही मंदिर का निर्माण पूर्ण हो चुका होता।

## मृत्यु भोज एक सामाजिक बुराई है इसे बंद कर देना ही चाहिएः शुगर सिंह नरवरिया

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी सोनी मंडल के अध्यक्ष जेल सिंह नरवरिया के बड़े भाई एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी सरजन सिंह नरवरिया के पिता स्वर्गीय वीर सिंह नरवरिया काम मृत्यु भोज बंद करने का निर्णय परिवार जनों द्वारा लिया गया और समाज के पदाधिकारियों ने पहुंचकर संकल्प करवाया। अखिल भारतीय लोधी महासभा के जिला अध्यक्ष ग्राम पंचायत नाव सरपंच शुगर सिंह नरवरिया ने ग्राम जरपुरा पहुंच स्वर्गीय वीर सिंह नरवरिया के परिवार जनों को संकल्प देते हुए कहा कि मृत्यु भोज बंद कर समाज में फैली आकृतियों के लिए हम आगे आए और ताकि समाज मृत्यु भोज ना करते हुए लोगों को जागृत करें और अपने पुरखों की यादगार में समाज द्वारा कराए जा रहे रचनात्मक एवं अन्य कारों में योगदान कर समाज को प्रेरणा दें वही वीर सिंह के परिवार जनों ने मृत्यु भोज बंद करने का संकल्प लेते हुए गांव में वीर सिंह नरवरिया की याद में पुस्तकालय का निर्माण कराने का निर्णय लिया ताकि गांव के लोग वहां आकर अखबार एवं साहित्य का उपयोग कर सके। उन्होंने मृत्यु भोज एक सामाजिक अभिशाप और बुराई है इसे बंद कर देना ही चाहिए और अपने बच्चों की शिक्षा दीक्षा के क्षेत्र में धन खर्च कर उनके भविष्य को आगे बढ़ाने का काम करें ताकि वह समाज में नाम रोशन कर सकें हम सब लोधी समाज को जागृत करते हुए प्रेरणा दें ताकि अन्य लोग भी अपने पुरखों की तेरे ना करते हुए सामाजिक कार्यो में आर्थिक धन का उपयोग कर सके। इस वरिष्ठ अभिभाषक जनक सिंह नरवरिया,महेश सिंह नरवरिया एडवोकेट,राधे सिंह नरवरिया सरपंच, भंवर सिंह नरवरिया शिक्षक,लक्ष्मी नारायण सिंह, मुकुट सिंह,विशंभर सिंह,मधुराज सिंह नरवरिया,रविंद्र सिंह, ब्रह्मदेव सिंह,ने स्वर्गीय वीर सिंह के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार जनों को मृत्यु भोज बंद करने का संकल्प दिलाया।

## क्रांति फिल्म का चौथा संगीत का हुआ शुभारंभ

**पुष्पाजंली टुडे**

तुमकुर ~डी कंपनी तथा चैलेंजिंग स्टार दर्शन अभिमानी संघ,तुमकुर के तत्वावधान में शिवकुमार स्वामी सर्कल पर कन्नड़ फिल्मों को प्रोत्साहन देने के लिए एक कार्यक्रम रखा गया द्य जिसमें कन्नड़ फ्लि्म कलाकारों ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना के बाद कन्नड़ फिल्म उद्योग पर बुरा असर पड़ा है द्य अब कोरोना के नियमो की पालना करते हुए तथा फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए लोगों को थिएटर तक जाना होगा द्य चैलेंजिंग स्टार दर्शन की उपस्थिति में क्रांति फ्लि्म का चौथा गीत का शुभारंभ किया गया द्य इस अवसर पर अभिनेता रचितराम, संगीत निर्देशक वी. हरिकृष्णा,तुमकुर जिला निदेशक धन्या कुमार,बन्नुर पर्यावरण जागरूकता वैदिके के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित, कन्नड़ सेना,डी.कंपनी दर्शन प्रशंसक केएस संतोष,आसिफ,डिब्बर गिरीश,श्रीनाथ रेड्डी,बेनक श्रेयस, मौर्या, गोविंदराज,नागराज, शिवकुमार, श्रीनिवास, लोकेश सहित सैकड़ों प्रशंसक मौजूद थे।

## वृद्धा ने किया अपनी देह का दान

**भोपाल/विदिशा।** मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में स्थित श्रीहरि वृद्धाश्रम में निवास करने वाली 85 वर्षीय श्रीमती काशी बाई दांगी का आज पूर्ण सम्मान के साथ राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल मैं देहदान किया गया। वहां महा विद्यालय के प्राचार्य भगवती प्रसाद शर्मा, प्राध्यापक दिलीप धनोलिया, प्राध्यापक प्रमोद बघेल प्रो. काशीराम सोनवाने सहित देहदान के प्रणेता डॉ. राकेश भार्गव, वृद्ध आश्रम अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा शर्मा, संचालक वेद प्रकाश शर्मा सहित आश्रम स्टाफ ने उन्हें अंतिम विदाई दी. श्री हरी वृद्ध आश्रम श्रीमती काशीबाई दांगी के लिए उस समय वरदान बन गया था जब वह अपने परिवार के सभी रिश्तेदारों की उपेक्षा के कारण अपने गांव हथिया खेड़ी में बर्तन मांज कर अपना जीवन व्यतीत करती रहीं। श्रीमती काशीबाई हर्जाखेड़ी थाना गुलाबगंज की निवासी थीं। पति की मृत्यु के बाद वह अपने रिश्तेदार भांजा दामाद के यहां चली आई।परिवार के लोग उन्हें बोझ समझते थे। इस कारण वह गांव के सरपंच दशरथ सिंह दांगी के यहां रहने लगीं तथा उन्हीं की देहलान और पशुओं की सार में सोती थीं। वह दिन भर मेहनत मजदूरी करके

घर-घर बर्तन मांज कर जीवन व्यतीत करती थीं। उन्हें कोई अज्ञात व्यक्ति आश्रम के बाहर की सड़क पर अचेत अवस्था में छोड़ गया था। उनके मुख से ग्राम हथिया खेड़ी सुनने पर,आश्रम संचालक द्वारा पुलिस अधीक्षक, सीएसपी जिला थाना कोतवाली में इसकी सूचना दी गयी। पुलिस हस्तक्षेप के बाद उनके परिजन आश्रम आये और यह लिखकर दे गए। कि हमारा उनसे कोई करीबी नाता रिश्ता नहीं है। वह अपने सभी करीबी रिश्तेदारों को बहुत याद करती रहीं। बीमार होने के कारण उन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया। वहां स्थिति अत्यंत गम्भीर होने के कारण शासकीय अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया। वहां उनका सघन इलाज किया गया। इसके पश्चात स्थिति बिग?ने पर उन्होंने आश्रम में सेवा के लिए डिस्चार्ज कर दिया था। आश्रम प्रबंधन दिन रात उनकी सेवा में लगा रहा। श्रीमति काशी बाई दिन रात अपने रिशतेदारों को याद करती रहीं। अपनों के लिए त?पती रहीं पर उन्हें देखने कोई नहीं आया।मृत्यु के पूर्व ही उन्होंने अपनी देहदान की इच्छा जाहिर की थी। आज सुबह चार बजे कार्डियक अरेस्ट के कारण चिकित्सा के दौरान उनका निधन हो गया था।

## अल्पसंख्यक मौर्चा के सभी नवनियुक्त पधातिकारियों का किया सम्मान

**पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर**
**डॉ.बेताल सिंह गौड़**

मौं मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह ने अपनी समस्त टीम के साथ अल्पसंख्यक मौर्चा के मंण्डल अध्यक्ष अमजद पठान एंव समस्त टीम का स्वागत किया इस अबसर पर जिला मंत्री फरेन्द सिंह सिकरवार पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मर्जाद सिंह यादव रामख्तयार गुर्जर मेहबूब खांन राम यादव महेंन्द परिहार रामकुमार जादोंन पर्वत जादोंन डां बेताल गोड शतीष परिहार सोनू खांन सूरज खटीक रामकुमार जादौंन मेहबूब खांन संतोष यादव रघुराज गुर्जर आगम जैंन रामकेश गुर्जर बबली यादव धर्मेन्द राणा, बिमल कुशबाह पूरन गोयल आकाश शाक्य बलबीर गोयल अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकारिणी इस प्रकार है उपाध्यक्ष, सलीम खां आमीन खांन सगीर खांन राकेश खां खलील राईन महामंत्री रसूल खांन जाबेद पठान मंत्री मुन्नवर खांन मेहबूब राईन खुर्रम सरमानी सोनू खांन मन्नू राईन इस्लाम राईन अरसद खांन सरफराज खांन हासिम राईन समीर खांन जीसान खांन जाबेद खांन साहिल खांन जुनेद खांन आदि

## स्वच्छता शपथ एवं कर्मचारी सम्मान समारोह

**पुष्पांजली टुडे**

आज दिनांक 15 जनवरी 2023 को जनशक्ति वेलफेयर सोसाइटी द्वारा स्वच्छता शपथ एवं कर्मचारी सम्मान समारोह अग्रसेन चौराहा, मुरार में आयोजित किया गया जिसमें समस्त नगर निगम सफाई कर्मचारियों का उत्साह वर्धन करते हुए सम्मान किया, जिसमें उन्हें भेंट स्वरूप सोल एवं सर्टिफिकेट संस्था का सर्टिफिकेट प्रदान किया गया. . कार्यक्रम मैं हमारे बीच ग्वालियर महापौर शोभा सिकरवार जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणेश सिंह भदोरिया जी, पूर्व सिटी एसपी अशोक भदौरिया जी, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र शर्मा जी, संरक्षक जगमोहन सक्सेना जी, वरिष्ठ अध्यक्ष नितिन जी, युवा अध्यक्ष रवि पुजारी जी, संतोष गोस्वामी जी, महिला अध्यक्ष रानू शर्मा जी, रचना जगताप जी, मीडिया प्रभारी अजय पोसिया जी कुलदीप टैगोर जी , श्याम कुशवाह जी एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित हुए.. कार्यक्रम सफल बनाने में रवि पुजारी जी एवं टीम द्वारा पूर्ण सहयोग मिला..

## अवैध रेत परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर ट्रॉली थाना कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में

**महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री शैलेंद्र सिंह चौहान जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश कुमार खरपूसे जी तथा नगर पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री निशा रेड्डी जी के नेतृत्व में आज दिनांक को थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविंद्र शर्मा व उनकी टीम द्वारा इटावा रोड से दो ट्रैक्टर ट्रॉलीओ को अवैध रेत परिवहन करते पकड़ा गया इनके पास मौके पर रॉयल्टी या अन्य कोई वैध दस्तावेज नहीं होना पाया गया दोनों ट्रैक्टर ट्रॉलीओ को थाना कोतवाली परिसर में लाकर रखा गया तथा माइनिंग विभाग को कार्यवाही हेतु सूचित कर अवैध रेत के परिवहन सहित ओवर लोडिंग की कार्यवाही कराई जावेगी।

**अवैध रेत परिवहन करते इन को पकड़ा गया**

1-अवधेश पुत्र रामप्रकाश राजावत निवासी भरौली इसके कब्जे से लाल रंग का एक महिंद्रा ट्रैक्टर मय रेत से भरी ट्रॉली के

2-सतीश पुत्र हरिभान सिंह जाटव निवासी गुमान पूरा सेवड़ा इसके कब्जे से एक नीले रंग का सोनालिका ट्रैक्टर मय रेत से भरी ट्रॉली के

**इनकी रही मुख्य भूमिका**-थाना प्रभारी कोतवाली निरी रविन्द्र शर्मा , उप निरीक्षक देवीदीन अनुरागी, आर राहुल राजावत,राहुल सिकरवार।

## नाबालिग पीड़िता का व्यपहरण कर उसके साथ दुष्कर्ष करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

गोहद। विशेष लोक अभियोजक, शैलेन्द्र कुमार शर्मा के अनुसार न्यायालय पूरन सिंह, विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो अधिनियम गोहद जिला भिण्ड विशेष सत्र प्र0क0 04/2021 म0प्र0 राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र मालनपुर विरुद्ध मनोज जाटव, में आज दिनांक 16.01.2023 को आरोपी 1. मनोज जाटव पुत्र अमर सिंह जाटव उम्र 24 वर्ष निवासी तो? वाली माता का पुरा थाना गोहद चौराहा जिला भिण्ड (म0प्र0) को धारा 363, 366 (ए) भा0दं0स0 में दोषी मानते हुए कमशः 5-5 वर्ष के सश्रम कारावास एवं पांच-पांच सौ रुपये के अर्थदण्ड से तथा धारा 376 (2) (आई) (जे) (एन) भा0दं0सं0 व धारा 5(एल)/ 6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में दोषी मानते हुये उसे आजीवन कारावास एवं 2,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

अभियोजन का प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है दिनांक- 12.12.2020 को प्रातः 11~00 बजे फरियादिया की नाबालिग पुत्री / पीडिता उम्र 13 वर्ष अपने छोटे भाई के साथ आधार कार्ड बनवाने के लिये गोहद चौराहा गई थी तभी रास्ते में अभियुक्त मनोज जाटव मोटरसाईकिल लिये हनुमान चौराहा पर पीडिता को मिला और पीड़िता के छोटे भाई से बोला कि वह पीड़िता को आधार कार्ड बनवाने के लिये गोहद चौराहा ले जा रहा है। उक्त बात फरियादिया को उसके छोटे पुत्र ने बताई, लेकिन पीडिता रात्रि तक वापस नहीं आई। फरियादिया को संदेह हुआ कि मनोज जाटव उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है और पीडिता की तलाश करते रहने से उसके नहीं मिलने पर वह दिनांक- 26.12. 2020 को थाना मालनपुर में रिपोर्ट करने गई। उक्त घटना के संबंध में फरियादिया द्वारा थाना मालनपुर में प्रस्तुत लेखी रिपोर्ट के आधार पर थाना मालनपुर में अपराध क्रमांक- 213 / 2020 अंतर्गत धारा-363 भा0दं0सं0 पंजीबद्ध किया गया और गुमशुदगी क्रमांक-15/2020 का पंजीयन किया गया। तथा शेष आवश्यक अनुसंधान उपरात अभियोगपत्र पेश किया गया और न्यायालय द्वारा विचारण उपरान्त अभियुक्त मनोज को दोषी मानते हुए दण्डित किया गया।

## सम्पादकीय

# पुलिस वालों के भी दिल हैं, परिवार हैं...

आज अगर हम चौन की नींद सोते हैं तो सरहदों पर सैनिकों की वजह से, जो देश की बाहरी सुरक्षा करते हैं और इसी तरह आंतरिक सुरक्षा देश की पुलिस के हाथों में है। सर्दी, तूफान, बाढ़ या कोई भी आपदा आ जाए यह लोग इतने कर्त्तव्यशील होते हैं कि हमेशा ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। हम सभी लोग अपने घरों में त्यौहार घ्दिवाली, लोहड़ी मनाते हैं, परन्तु यह लोग चाहे सरहदों पर सैनिक हों, सुरक्षा पर तैनात बीएसएफ, सीआरपीएफ या स्थानीय पुलिस हमेशा हम सबकी सुरक्षा में लगे रहते हैं। इनकी वर्दी में इतनी ताकत है कि इन्हें देखकर हम अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं। क्या कभी हमने इस बात पर सोचा कि इनके भी दिल हैं, इनके भी परिवार हैं, इनके घर भी दुःख-सुख है। ये कितना बड़ा दिल रखते हैं, कितनी देशभक्ति है। यह अपने परिवारों, बच्चों, मां-बाप से दूर रहकर क्या नहीं सहते और बहादुरी दिखाते रहते हैं सरहद की रक्षा करते, संसद की रक्षा करते (पुलिस) शहीद हो जाते हैं। क्या इनके परिवारों से कोई जाकर उनका दुःख-दर्द महसूस करता है या बांटता है कितने शर्म की बात है कि पिछले दिनों दिल्ली पुलिस के एक एएसआई श्री शंभू दयाल जी की एक मामूली से चोर-उच्चके ने चाकू के दर्जनों प्रहार करते हुए सार्वजनिक तौर पर हत्या कर दी और ऐसे ही पंजाब पुलिस के जवान कुलदीप सिंह उर्फ कमल बाजवा को गोली से मार डाला। चाहे कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, नक्सलवादी क्षेत्र में हजारों बार पुलिस कर्मचारी एनकाउंटर करते मारे जाते हैं। कई बार तो जवानों की उम्र देखकर दिल दहल जाता है। 16-16 घंटे ड्यूटी कर यह अपना फर्ज निभाते हैं, परन्तु कभी यह अकेले फंस जाएं जैसे शंभू दयाल जी को लोग उन्हें बचाने की बजाय उनकी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में डाल रहे हैं। कितने शर्म की बात है। मेरी पूरी सहनुभूति सेना और पुलिस के साथ है। यहां तक कि मैं उनको नमन करती हूं, सैल्यूट करती हूं। साथ में मैं यह भी कहना चाहूंगी कि दिल्ली में जो पीछे घटनाएं हुई जिनमें एक लड़की कई घंटे मौत से लड़ते हुए मारी गई या आज की तारीख में दिल्ली की सड़कों पर अक्सर चोर-उच्चके, जेबकतरे, समैकिये घूम रहे हैं और वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, उन से दिल्ली पुलिस को अलर्ट करना चाहूंगी कि कहीं न कहीं उनसे गलतियां हो रही हैं। दिल्ली पुलिस की वर्दी का लोगों में इतना खौफ होना चाहिए कि यह लोग किसी का नुक्सान न कर सकें। पिछले दिनों हमारे कर्मचारियों को ड्यूटी से वापिस घर जाते कुछ समैकियों ने चाकू से वार कर अस्पताल पहुंचा दिया। ऐसे समय पुलिस कहां होती है। क्यों नहीं इन लोगों को पुलिस का खौफ है। कुछ पुलिस कर्मचारियों के आलस और गैर जिम्मेदारी के कारण सारी पुलिस बदनाम हो जाती है और बहुत सी घटनाएं हो जाती हैं। दिल्ली पुलिस को चाहिए हर समय अलर्ट रहे। समय-समय पीसीआर वैन सड़कों पर घूमती नजर आनी चाहिए। चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे हों, पुलिस अलर्ट हो, हमेशा हर कोने-कोने पर पहरा हो। दिल्ली की सड़कों पर पुलिस मुस्तैदी से घूमती नजर आए। इज्जतदार लोग दिल्ली पुलिस को सम्मान की नजर से देखें कि यह उनकी रक्षा कर रहे हैं और गुंडे, चोर, मवाली उनसे खौफ महसूस करें, तभी सभी लोगों की सुरक्षा हो सकती है। दिल्ली में चारों तरफ समैकिये फैले हुए हैं, जिन्हें होश नहीं होती और जो अपने थोड़े से नशे केघ लिए भी वार कर देते हैं, लूट लेते हैं। मेरे ससुर जी के नाम पर एक चौक है, उनकी मूर्ति लगी है, साल में 7-8 बार तो उनकी लोहे की जाली चोरी हो जाती है। यही नहीं पंजाब केसरी की बिल्डिंग पर कई बार तारें चोरी करने के लिए चढ़ने की कोशिश करते हैं। अगर हमारा यह हाल है तो आम लोगों की क्या सुरक्षा हो रही होगी तो दिल्ली पुलिस से यही कहेंगे कि हम आपके साथ हैं, परन्तु लोगों के अन्दर सुरक्षा की भावना पैदा कीजिए। 90 प्रतिशत पुलिसकर्मी बहुत कर्त्तव्यशील हैं, 10 प्रतिशत ऐसे हैं जो अपने कारण पुलिस को बदनाम कर देते हैं। सो अंत में यही कहूंगी दिल्ली पुलिस अलर्ट हो, लोगों में सुरक्षा की भावना भरे, आपकी वर्दी में बहुत ताकत है, उस ताकत को दिखाएं। चोर, डाकू, मवाली आपसे डरें, कोई गुंडा किसी लड़की की इज्जत पर हाथ डालने से पहले आपके डर से कांप जाए, ऐसा माहौल पैदा करें।

# जोशीमठ का प्राचीन स्वरूप

आदित्य नारायण

जोशीमठ अगर केवल 12 दिनों में ही साढे पांच सें.मी. नीचे धंस गया तो इसके मायने क्या हैं आम आदमी की भाषा में इसे दरकती हुई जमीन पर बसा शहर कहा जायेगा। जाहिर है ऐसे शहर को बचाने के लिए वे सभी उपाय किये जाने चाहिए जिनसे जोशीमठ के भू-भाग का नीचे धंसना रुके। इसके लिए पहाड़ी इलाकों में किये जा रहे आधुनिक विकास कार्यों का वैज्ञानिक भूगर्भीय लेखा-जोखा कराना होगा। प्रश्न पैदा होता है कि क्या पहाड़ी क्षेत्रों में ऐसा लेखा-जोखा समय-समय पर नहीं कराया जाना चाहिए हमने कुछ वर्ष पहले श्री केदारनाथ धाम में आयी प्राकृतिक विनाश लीला को देखा था और तब कान पकड़े थे कि पर्वतीय क्षेत्रों में विकास बहुत ही नियमित व नियन्त्रित तरीके से किया जाना चाहिए जिससे पहाड़ों की पारिस्थितिकी व पर्यावरण का सन्तुलन बिगड़ने न पाये। श्री केदारनाथ धाम का तो पुनर्निर्माण हमने बहुत सफलतापूर्वक कर दिया मगर इससे कोई सबक नहीं लिया और अपनी बेढंगी चाल पहले की तरह ही जारी रखी। पहाड़ प्रकृति के सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र होते हैं। इनकी जलवायु से लेकर सौन्दर्य छटा अलग होती है। प्रकृति स्वयं इन्हें अपने हाथों से सजाती-संवारती रहती है। अतः जब इसमें मानव का हस्तक्षेप इन पर बसने के बहाने होता है तो इनकी यह बोझ सहने की क्षमता सीमित ही हो सकती है। इसलिए सबसे पहले पहाड़ों पर बस्तियां बसाने की क्षमता निर्धारित की जानी चाहिए और उन पर व्यावसायिक, व्यापारिक व औद्योगिक गतिविधियां चलाने की नियन्त्रित प्रणाली होनी चाहिए। दुर्भाग्य से हमने मूल सवालों को नजरंदाज करते हुए पहाड़ों पर भौतिक सुविधाओं का वैसा ही जाल बुनना चाहा जैसा कि मैदानी क्षेत्रों में होता है और इस चेष्टा में हमने विकास का वही पैमाना पर्वतीय क्षेत्रों पर भी लागू कर दिया जो मैदानी क्षेत्रों पर होता है। बेशक पर्वतीय इलाकों में रहने वाले लोगों को भी अपने विकास करने का पूरा अधिकार है मगर यह विकास स्थानीय परिस्थितियों के सकल सन्दर्भओं में ही किया जाना चाहिए। बड़ी जल विद्युत परियोजनाएं अथवा सड़क निर्माण परियोजनाओं को हम पहाड़ों को खोखला करके लागू नहीं कर सकते। उसके दुष्परिणाम वैसे ही होंगे जैसा कि जोशीमठ में हो रहा है। अतः जोशीमठ हमें चेतावनी दे रहा है कि हम अपनी विकास की राह को बदलें और इसे पहाड़ों के अनुरूप बनायें। हम यदि पुराने टिहरी शहर को जल में गर्त करके उसे बड़े बांध में परिवर्तित कर देते हैं तो इसकी प्रतिक्रिया पहाड़ों के भीतरी रसायन तन्त्र में क्या होगी यदि जोशीमठ के करीब ही बड़ी-बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं के लिए पहाड़ों की खुदाई की जा रही है और अन्य परियोजनाओं के लिए सुरंगों का जाल बुना जा रहा है तो हिमालय के सुकुमार पहाड़ कैसा अनुभव करेंगे, इसका ज्ञान तो किसी पर्वतीय भू विज्ञानी को ही हो सकता है अथवा पहाड़ों पर जीवन पर्यन्त रहने वाले लोगों को भी हो सकता है क्योंकि ये लोग प्रकृति की गोद में जीवन शैली गुजारना जानते हैं। इसी वजह से इनकी संस्कृति व धार्मिक मान्यताएं व परंपराएं मैदानी क्षेत्रों के लोगों से अलग होती हैं। ये लोग पहाड़ों को पूजने से लेकर प्रकृति निर्मित झीलों व पोखरों सहित वृक्षों को अपनी धरोहर मानते हैं और उनकी अभ्यर्थना भी करते हैं। परन्तु आज असली सवाल यह है कि विगत वर्ष के अप्रैल महीने से लेकर दिसम्बर के मध्य तक जोशीमठ केवल सात सें.मी. ही धंसा था मगर 27 दिसम्बर के बाद चालू जनवरी के दूसरे सप्ताह के 12 दिनों में ही साढ़े पांच सें.मी. और धंस गया। ये चित्र भारतीय अन्तरिक्ष शोध संस्थान ने उपग्रह चित्रण की मार्फत भेजे हैं। लेकिन हमें मानना पड़ेगा कि भारत में जो प्रशासनिक व्यवस्था है वह संवेदनहीनता की हदों को भी पार करना अनुचित नहीं समझती। 1976 में ही सरकार द्वारा गठित मिश्रा कमेटी ने चेतावनी दी थी कि जोशीमठ के इलाके में भारी निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए क्योंकि यह क्षेत्र भूगर्भीय स्तर पर स्थायी नहीं है। यह भूस्खलन से जमा मलवे पर बसा हुआ इलाका है। मगर इसके बाद न जाने कितनी सरकारें आईं और गईं और हरेक ने नई-नई भारी परियोजनाओं को हरी झंडी दी। आर्थिक उदारीकरण के बाद तो जैसे मौज ही आ गई और निजी उद्यमियों को पहाड़ बेचने की होड़ लग गई। पहाड़ों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की होड़ में यह भूल गये कि पर्वतमालाओं की बोझ सहने की अपनी सीमित क्षमता है। हमने पहाड़ों को क्रीट की इमारतों के जंगल के रूप में बसाना शुरू कर दिया और आधारभूत सेवाओं की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। बड़ी-बड़ी बस्तियों से निकलने वाले कूड़े-कचरे व अपशिष्ट के निष्पादन की कोई पक्की व्यवस्था तक नहीं की। धार्मिक तीर्थाटन के वाणिज्यिकरण की होड़ में हम भूल गये कि पहाड़ों की नैसर्गिकता कितना मानव बोझा ढो सकती है। हमें

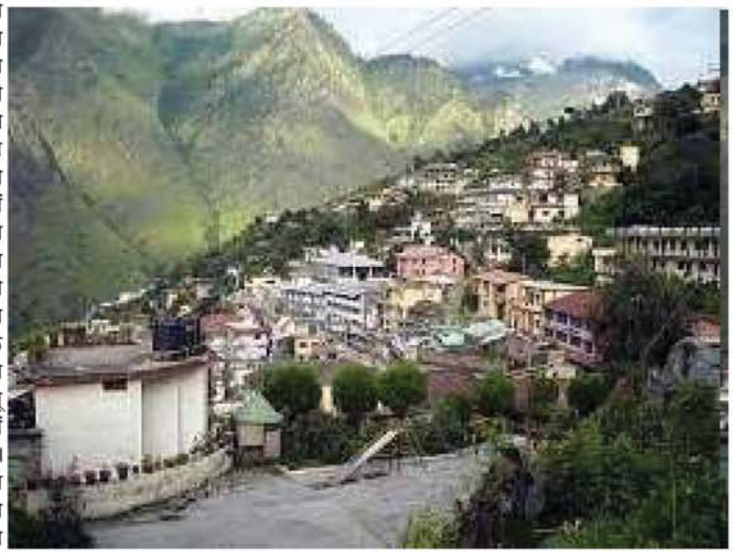

इस सिद्धान्त को कभी नहीं भूलना चाहिए कि हर देश और क्षेत्र के विकास का ढांचा वहां की पारिस्थितिकी और पर्यावरण के अनुरूप ही तैयार हो सकता है। यदि ऐसा न होता तो पहाड़ों की अपनी वास्तुकला व भवन निर्माण कला होती क्या हमारे पूर्वज कम धार्मिक थे मगर उन्होंने धार्मिक तीर्थों को कभी पिकनिक या पर्यटक स्थल बनाने के बारे में नहीं सोचा। मगर अब सवाल यह है कि हम वह दूसरा जोशीमठ कहां से लायेंगे जो आदिशंकराचार्य की तपोस्थली रही और जो ग्रीष्म ऋतु में भगवान बदरीनाथ का पूजा स्थल है। अतः बहुत आवश्यक है कि पुराने जोशीमठ का सांस्कृतिक व धार्मिक स्वरूप बरकरार रखने के हर संभव प्रयास किये जायें और यहां बसे लोगों को अन्यत्र सुरक्षित स्थानों पर बसाया जाये।

# पर्यावरण प्रदूषण शक्ति संपन्न दिल्ली के पास समाधान क्यों नहीं

संजीव ठाकुर,

अब सिर्फ इसी की कसर रह गई थी कि भारत का दिल, दिल्ली विश्व में सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना जा रहा है स इसके बाद बांग्लादेश का ढाका शहर आता है दिल्ली का वायु प्रदूषण करोना से भी ज्यादा स्थाई खतरा माना जा रहा है। बच्चे और बुजुर्गों के लिए खासकर उनकी स्वास नलियों तथा फेफड़ों में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों से उनके वायु तंत्र को अवरुद्ध कर कर उन्हें बीमार बना देते हैं। यह एक गंभीर समस्या हैस पर्यावरण प्रदूषण खासकर वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मुंबई, कोलकाता और अन्य राज्यों की राजधानी में खासकर शीतकाल में अत्यंत चिंताजनक स्थिति पैदा हो जाती है। गर्मियों में प्रदूषण तथा गर्मी लोगों को बुरी तरह संक्रमित करती है। दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश के 8 बड़े शहर का पर्यावरण प्रदूषण खासकर वायु प्रदूषण खतरे के निशान से काफी ऊपर जा चुका है, अस्थमा तथा फेफड़े की बीमारियों के मरीज की संख्या में बहुत ज्यादा इजाफा हुआ है और सरकारें इसे संभाल नहीं पा रही है, ऊपर से कोविड-19 का संक्रमण वायु प्रदूषण के साथ जुगलबंदी कर लोगों की जान ले रहा है। वायु प्रदूषण स्थाई समस्या है यह करोना से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। करोना का इलाज तो वैक्सीनेशन से किया जा सकता है, एवं उसकी दवाई बनाई जा सकती है, और बनाई भी जा रही है। पर वायु प्रदूषण, पर्यावरण की गंभीर समस्या जिस पर यदि लगाम नहीं लगाई गई तो लाखों लोगों को सांस की बीमारियों से बचाया नहीं जा सकेगा। समग्र रूप से पर्यावरण में अपशिष्ट पदार्थों का बिगड़े अनुपात में मिलना ही प्रदूषण को वातावरण में जन्म देता है। वैसे तो प्रदूषण के कई प्रकार हैं, जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण आदि इत्यादि। पर वायु प्रदूषण इन सब में सर्वाधिक खतरनाक और मानवीय जीवन के लिए संहारक है। वायु में विषैली गैस के मिश्रण धूल और उद्योग द्वारा फैलाए गए जहरीले अपशिष्ट गैसों से वायु प्रदूषण तेजी से फैलता है। अमेरिकी शोध संस्थान द्वारा स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि भारत में वायु प्रदूषण से जनसंख्या के 40 से 45 प्रतिशत लोग प्रभावित हैं। एवं वायु प्रदूषण के कारण संपूर्ण जीवन में जीने के लिए 10 से 15 वर्ष तक उनकी जिंदगी के कम हो सकते हैं। क्योंकि भारत वैश्विक देशों से सर्वाधिक वायु प्रदूषित देश माना जाता है। इस शोध संस्थान द्वारा चेतावनी के साथ मशवरा भी दिया गया है कि वायु प्रदूषण को तत्काल कम करने के कारगर उपाय करने होंगे।अन्यथा देश के बड़े शहरों में और उद्योग नगरी के साथ में बसे हुए शहरों में वायु प्रदूषण से मानव जिंदगी को खतरे बढ़ सकते हैं। भारत में दिल्ली,मुंबई,कोलकाता, चेन्नई तथा मध्यम जनसंख्या वाले लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, रायपुर, इंदौर तथा उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में वायु प्रदूषण के कारण ज्यादा दमा तथा अस्थमा से मौतें हुई हैं। करोना काल में भी वायु प्रदूषण से फेफड़े खराब होने के कारण कई मरीजों की विषम परिस्थितियों में मृत्यु हुई है। कोविड-19 के संक्रमण से सबसे ज्यादा मरने वाले व्यक्तियों में वायु प्रदूषित व्यक्ति ही फेफड़ों की खराबी के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का औसत हवा में प्रदूषण कारी सूक्ष्म कणों की मौजूदगी 70.3ः है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वस्थ वायु प्रदूषण की मानक की स्थिति 10 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर मानी गई है। इस तरह भारत मैं प्रदूषण के महीन कणों की उपस्थिति विश्व के अन्य देशों की तुलना में 7 गुना प्रति क्यूबिक मीटर ज्यादा आंकी गई है। जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अति खतरनाक बताई गई है। इस तरह भारत दुनिया का सबसे प्रदूषित देश माना गया है। यहां जनसंख्या के 48 करोड़ लोग वायु संक्रमित पाए गए हैं इस तरह देश की लगभग 40ः आबादी जहां वायु प्रदूषण का स्तर एवं अन्य प्रदूषण का स्तर भी नियमित रूप से दुनिया में कहीं भी पाए जाने वाले स्तर से बहुत अधिक है। जोकि स्वास्थ्य संगठनों की नजरों में बहुत ही चिंतनीय एवं गंभीर है। अमेरिका के एक शहर शिकागो में स्थित एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट ऑफ पोलूशन द्वारा बताया गया है कि दिल्ली और उत्तरी भारत में रहने वाले 48 करोड़ से ज्यादा लोग प्रदूषण के बढ़े हुए स्तर पर जल प्रदूषण में जी रहे हैं। प्रदूषण जो कोविड-19 के संक्रमण से भी ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि कोविड-19 का संक्रमण एक संक्रामक रोग है, जिसकी वैक्सीन लगाकर रोकथाम की जा सकती है। पर पर्यावरण में प्रदूषित करने वाले सूक्ष्म पार्टिकल समान रूप से सभी नागरिकों को अपनी गिरफ्त में लेकर उनके फेफड़े खराब करने का काम करता है जो ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा है। मनुष्य स्वाभाविक रूप से प्रकृति पर निर्भर है। प्रकृति पर उसकी निर्भरता तो समाप्त नहीं की जा सकती है। किंतु प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते समय हमें इस बात का ध्यान रखना पड़ेगा इसका प्रतिकूल प्रभाव पर्यावरण पर ना पड़े या कम से कम पड़े। हमें उद्योगों की संख्या के अनुसार उसी अनुपात में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण भी करना पड़ेगा।

# भारतीय सेना में आधी आबादी की बढ़ती जिम्मेदारीं

प्रेम शर्मा

पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में कमांड पोस्ट संभाल सकती हैं। इस संबंध में बीती 17 फरवरी 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने सेना की सभी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। दिल्ली हाईकोर्ट के वर्ष 2010 के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में कमांड पोस्ट संभाल सकती हैं यानी वह सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सामाजिक धारणाओं के आधार पर महिलाओं को समान मौके न मिलना परेशान करने वाला और अस्वीकार्य है।देश की सेना को जेंडर न्यूट्रल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी हो रही है। आर्मी ने कहा है कि वह जल्दी ही अपने आर्टिलरी रेजिमेंट में महिला ऑफिसरों को कमिशन करने जा रही है। यह न केवल सेना के अंदर बराबरी का व्यवहार पाने के लिए संघर्ष कर रही महिला ऑफिसरों के लिए बल्कि समाज में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की इच्छा रखने वाले तमाम लोगों के लिए अच्छी खबर है। देखा जाए तो न सिर्फ अपने देश में बल्कि दुनिया भर में सेना को पारंपरिक तौर पर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता रहा है। स्वाभाविक ही महिलाओं को इस क्षेत्र में प्रवेश पाने और आगे बढ़ने के लिए कदम-कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ा है। एक बड़ा अवरोध सेना के अंदर की पारंपरिक पुरुषवादी सोच भी रही है। इन तमाम दृश्य और अदृश्य रुकावटों का ही परिणाम कहेंगे कि 1990 की शुरूआत में ही 14 लाख की संख्या वाले सशस्त्र बलों में प्रवेश पा जाने के बावजूद अब तक महिला ऑफिसरों की संख्या 3,900 से कुछ ही ऊपर जा सकी है। इनमें से 1,710 महिला ऑफिसर सेना में, 1,650 वायु सेना में और 600 नौसेना में हैं। इनसे अलग 1,670 महिला डॉक्टर, 190 डेंटिस्ट और 4,750 नर्सें जरूर मिलिटरी मेडिकल स्ट्रीम में हैं। लेकिन खास बात यह है कि सेना के अंदर महिलाओं को कठिन मानी जाने वाली ड्यूटी पर भेजने से बचने की प्रवृत्ति है, जिसे महिलाएं अपनी तरफ से लगातार चुनौती देती रही हैं। आज भी महिला ऑफिसरों को इन्फेंट्री के कॉम्बैट आर्म्स, आर्मर्ड कोर (टैंक) और मेकेनाइज्ड इन्फेंट्री में या नौसेना की पनडुब्बियों में तैनाती नहीं मिल सकती। नेशनल काउंसिल फॉर सोशल स्टडीज के मुताबिक साल 2015 में दुनिया के अलग-अलग देशों में सेना में महिलाओं की संख्या लगभग 53,000 थी। हालांकि यह दुनिया के कुल सेना की क्षमता का पांच फीसदी था। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेटेजिक स्टडीज के अनुसार भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की सेना में 3,400 महिलाएं हैं। ये महिलाएं भी मेडिकल या डेस्क जॉब करती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सेना में लगभग 16 प्रतिशत महिलाएं हैं जिनकी संख्या करीब 74,000 है।वहीं रूस में 10 प्रतिशत महिलाएं सेना में शामिल हैं। ये डाटा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेटेजिक स्टडीज का है। यहां पैरा मिलिट्री महिलाओं की संख्या सीआरपीएफ 5928 सीआईएसएफ 5896 बीएसएफ 2640 एसएसबी 1166 आईटीबीपी 1091 है। भारत सरकार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार वर्तमान में तीनों सेनाओं में कुल मिलाकर 9,118 महिलाएं हैं। हालांकि केंद्र सरकार प्राथमिकता के आधार पर सेनाओं में उनकी भूमिका को बढ़ाने के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है। यही कारण भी है कि साल 2019 की तुलना में साल 2020 में भारत की तीनों सेनाओं में महिलाओं की संख्या में बढ़त देखी गई है। भारतीय सेना में सबसे ज्यादा महिलाएं नेवी में काम कर रही हैं।नेवी में लगभग 6.5 प्रतिशत महिलाएं हैं।जबकि नौसेना में 600 महिला ऑफिसर्स और भारतीय वायुसेना में इनकी संख्या लगभग 1607 है। इसके अलावा, मिलिट्री मेडिकल स्ट्रीम में करीब 1670 महिला डॉक्टर्स, 190 डेंटिस्ट्स और 4,750 नर्सेज हैं। बीते लगभग 6 सालों में भारतीय सेना में महिलाओं की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। साल 2019 के आंकड़ों को देखें तो विश्व की दूसरी सबसे बड़ी थल सेना में महिलाओं की संख्या केवल 3.8 प्रतिशत है जबकि वायु सेना में इनकी संख्या 13 प्रतिशत और नौसेना में 6 प्रतिशत है। बहरहाल, अपने जज्बे और कोर्ट के सहयोग से महिलाओं ने न केवल परमानेंट कमिशन हासिल कर लिया बल्कि धीरे-धीरे कठिन मोर्चों पर भी खुद को साबित करते हुए आगे बढ़ रही हैं।सेना की ओर से घोषित ताजा कदम की अहमियत खास तौर पर दो वजहों से है। एक तो यह कि हालांकि आर्टिलरी को सेना का कॉम्बैट सपोर्ट आर्म कहा जाता है, लेकिन यह चीन और पाकिस्तान के विवादित और संवेदनशील सीमा क्षेत्रों पर तैनात यूनिटों के साथ फ्रंटलाइन पर मौजूद रहती है। दूसरी बात यह कि सेना का यह फैसला उसकी अपनी पहल पर आया है। इससे पहले महिलाओं के लिए अहम भूमिका सुनिश्चित करने से जुड़े ज्यादातर बड़े फैसले कोर्ट के आदेश के दबाव में उठाए गए।यह इस बात का संकेत है कि हमारे सशस्त्र बलों में ऊपरी स्तर पर महिलाओं को, उनमें निहित संभावनाओं को देखने का नजरिया बदल रहा है। इससे यह उम्मीद बंधती है कि सशस्त्र बलों के अंदर महिला ऑफिसर किसी भी अन्य ऑफिसर की तरह जैसे-जैसे खुद को साबित करेंगी, उनकी भूमिका अधिकाधिक प्रभावी होती जाएगी। अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ते भारतीय समाज के लिए यह एक सुकून देने वाली बात है केंद्र सरकार प्राथमिकता के आधार पर सेना में महिलाओं भूमिका को बढ़ाने के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है. लड़ाकू विमानों से लेकर युद्धपोतों पर तैनात रहीं महिलाएं अब तोप भी चलाएंगी।

मेषः- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतरू इसमें सुधार लायें। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

बृषभः- सामाजिक संबंधों में ब्यस्तता बढ़ेगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

मिथुनः- कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओ को सकार करने से पूर्व गहन सोच-विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। घर में खुशहाली रहेगी।

कर्कः- महत्वपूर्ण कायरें की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओ पर भरोसा रख महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फलीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अवसर प्रदान करेगी।

सिंहः- अपने पद एवं मयार्दा ख्याल रखते हुए उच्छृंखल मन को निर्यंत्रित करें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

कन्याः- कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

तुलाः- निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनो के सहयोग से समस्याएं हल होंगी।

वृश्चिकः- नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य मिलेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में मन उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति खुश रखेगी।

धनुः- वाक्यपटुता एवं व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकरः-नये कार्य के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

कुंभः- नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। घर-परिवार में वातावरण उत्साहित होगा।

मीनः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य एवं नये कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरते।

# डॉक्टर गोविंद सिंह का डंका पूरे प्रदेश में बज रहा है वह कांग्रेस के मंझे हुए नेता हैं: विधायक मेवाराम

## दबोह में आयोजित 16वां अंतर्राजीय क्रिकेट टूर्नामेंट के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि के रूप में सामिल हुए विधायक मेवाराम जाटव

गोहद। स्वर्गीय मथुरा सिंह की स्मृति में सोलवा अंतर्राजीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ लहार क्षेत्र के दबोह में शुरू हुआ। यह टूर्नामेंट 3 दिन तक जारी रहेगा। इस टूर्नामेंट में गोहद विधायक मेवाराम जाटव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान उनके द्वारा दीप प्रज्वलन कर क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। उन्होंने क्रिकेट के मैदान में उतर कर क्रिकेट बैट से क्रिकेट भी खेली। इस अवसर पर विधायक मेवाराम जाटव ने खिलाड़ियों एवं स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट लहार छेत्र के दबोह में हो रहा है। आज लहार क्षेत्र का नाम पूरे प्रदेश में इज्जत के साथ लिया जाता है इसका कारण है कि यहां से हमारे सम्मानीय नेता डॉक्टर गोविंद सिंह का डंका पूरे मध्यप्रदेश में बज रहा है वह कांग्रेस पार्टी के मंझे हुए नेता हैं। वह आप सबके नेता तो हैं ही वह मेरे भी नेता हैं उन्होंने मुझे आज इस लायक बनाया है कि मैं आपके बीच में इस टूर्नामेंट का मुख्य अतिथि बनकर आया हूं तो उनकी ही देन है। मैं एक गरीब घर का छोटा सा कांग्रेस का सिपाही था उनकी बदौलत ही मैं आज विधायक बना हूं। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग राज्यों से आए खिलाड़ियों का स्वागत एवं अभिवादन किया। और उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से आप अपने क्षेत्र का नाम रोशन

करें इसके लिए मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। मेरा ऐसा मानना है कि आप सभी अपना संपूर्ण योगदान खेल के प्रति देते हैं तो आपको एक न एक दिन कामयाबी जरूर मिल कर रहेगी। कभी कभी हमारे सामने ऐसा पल भी आता हैं कि एक दिन हार जीत भी होती है परंतु इससे हमें घबराने की जरूरत नहीं है हमें अपना सौ फ़ीसदी योगदान खेल के मैदान में दिखाना है तो एक न एक दिन कामयाबी हमें जरूर मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के इफको के डायरेक्टर अमित प्रताप सिंह ने की। इस दौरान चौधरी रामा कौरव, बल्लू वकील, हाकिम चौधरी, रूप नारायण खटीक, नाजिम खान, रियाज खान, राजकुमार गुर्जर आदि लोग मंच पर उपस्थित रहे।

उद्घाटन मैच में रीवा और कानपुर का मुकाबला हुआ- स्वर्गीय मथुरा सिंह की स्मृति में अंतर्राजीय 16 वां क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में आज रीवा और कानपुर के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। जिसमें रीवा ने पहले बैटिंग करते हुए 230 रन बनाए वही इसके जवाब में उतरी कानपुर की टीम 176 रन पर ऑल आउट हो गई। इस दौरान रीवा की टीम विजय रही, मैंन ऑफ दी मैच का पुरस्कार रीवा के आशुतोष ने जीता। विधायक ने किया शहीद शिवेंद्र की मूर्ति का अनावरण- गोहद विधायक मेवाराम जाटव ने ग्राम पंचायत जमदारा में पहुंच कर शहीद शिवेंद्र सिंह गुर्जर की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत जमदारा के सरपंच जितेन्द्र, केशव सिंह गुर्जर, सहाब सिंह गुर्जर, करू उर्फ संतोष पवैया एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## हवाई फायरिंग का आरोपी अवैध हथियार सहित पुलिस गिरफ्त में

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री शैलेंद्र सिंह चौहान जी अतिरिकत पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश खरपुसे जी श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री निशा रेड्डी जी के मार्गदर्शन में आज अन्नू उर्फ अनूप शर्मा निवासी गुलाब बाग भिंड को आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर देशी कट्टा के बरामद किया गया । रुबीना खान की शिकायत पर दो दिवस पूर्व अन्नू तिवारी, लल्लू तिवारी ,ओम शर्मा और एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे व बिजली का मीटर तोड़ देने तथा हवाई फायर करने पर अपराध क्रमांक17/23 धारा 336,294,,506,427,34भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी कोतवाली रविंद्र शर्मा, उप निरीक्षक देवीदीन अनुरागी, प्रधान आर राकेश भदौरिया व अमन राजावत की मुख्य भूमिका रही।

## स्वच्छता अभियान को लेकर कन्या विद्यालय में कार्यशाला आयोजित

**जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना**

शिवपुरी। शहर में चल रहे स्वच्छता अभियान ÷ अपना शिवपुरी भी होगा स्वच्छता में नंबर 01÷ के तहत आज कन्या विद्यालय कोर्ट रोड पर अथ युवा फाउंडेशन ने ÷स्वच्छता माइंडसेट और नवाचार÷पर कार्यशाला आयोजित की। बच्चों ने 5 मिनिट स्पंदन माइंडफुलनेस के माध्यम से पढ़ाई में एकाग्रता कैसे बढ़ाएं की भी प्रैक्टिस की। कार्यशाला में बच्चों ने बढ़ते हुए शहरीकरण की समस्याओं के बारे में जाना तथा कैसे एक शहर को

विकास यूनिट की तरह बढ़ाया जाए कि भी टिप्स लीं। स्वच्छता और स्वास्थ्य दोनों में गहरा संबंध है। यदि स्वच्छता पर ध्यान दिया जाए तो महामारियों से भी बचा जा सकता है। इसके बारे में भी चर्चा हुई। डॉ.देवेंद्र दांगी ने विद्यालय की छात्राओं से संवाद किया और स्वच्छता अभियान के बारे में जानकारी दी कि किस प्रकार बच्चे अपने घर अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं और पूरे शिवपुरी शहर को स्वच्छ बना सकते हैं।

# हर नागरिक की भागीदारी से ही सुनिश्चित होगी स्वच्छता

## शिवपुरी भी होगा स्वच्छता में नंबर 1 अभियान के संबंध में बैठक आयोजित

**जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना**

शिवपुरी। यदि शिवपुरी शहर को स्वच्छ बनाना है तो हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित होना चाहिए। हर घर, गली साफ-सुथरी होगी तभी शहर स्वच्छ होगा। इसके लिए जन जागरूकता भी जरूरी है। अपना शिवपुरी भी होगा स्वच्छता में नंबर 1 अभियान को लेकर जिले में काम किया जा रहा है। पिछले कई दिनों से टीम द्वारा स्कूलों में बच्चों से संवाद करके स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। इसी अभियान को लेकर सोमवार को बैठक आयोजित की गई। अभी जिला प्रशासन, नगर पालिका के साथ मिलकर अथ फाउंडेशन इस पर काम कर रहा है। बैठक में चर्चा करते हुए स्वच्छता समन्वयक अतुल त्रिवेदी ने विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी, जिससे लोगों को इस अभियान से जोड़ा जा सके।

कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कहा है कि यह अभियान तभी सफल होगा, जब हर वर्ग इससे जुड़ेगा। शहर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी, कर्मचारी आइटीबीपी व सीआरपीएफ, गैर सामाजिक संगठन सभी को इस अभियान में लगना होगा। इसमें यह भी महत्वपूर्ण है कि शिवपुरी नगरपालिका की टीम भी इसमें सक्रिय रहे क्योंकि शहर को स्वच्छ बनाने में सबसे अहम भूमिका सफाई कर्मियों की है। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कहा है कि अब सफाई कर्मियों के साथ बैठकर इस पर चर्चा की जाएगी।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण नालियों और बड़े नालों की सफाई सही से नहीं हो पाती है। अभी नालियों की सफाई पर काम किया जा रहा है। यहां शहर के प्रमुख मार्गों, बाजार में प्रमुखता से अभियान चलाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज हम स्वच्छता में इंदौर शहर का उदाहरण देते हैं लेकिन वहां स्वच्छता की पहल में इंदौर के नागरिकों ने भागीदारी की और जागरूकता दिखाई। उसी का परिणाम है कि आज सबसे स्वच्छ शहर है। इसी प्रकार हमें इस अभियान से सभी को जोड़ना होगा और स्वच्छता को अपने व्यवहार में शामिल करना होगा।

# धूमधाम से मनाया गया बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो का जन्मदिन

**अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी- बहुजन समाज पार्टी जिला शिवपुरी ने बताया कि 15 जनवरी 2023 को 11ः00 बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में देश में सामाजिक परिवर्तन की महानायिका सर्व समाज के सम्मान एवं स्वागत स्वाभिमान के प्रतीक बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व सांसद परम आदरणीय माननीय बहन कुमारी मायावती जी के 67 वें जन्मदिन के अवसर पर जन कल्याणकारी दिवस समारोह का आयोजन कार्यक्रम स्थल एचडीएफसी बैंक माधव चौक चौराहा शिवपुरी में किया जा रहा है इस समारोह के मुख्य अतिथि माननीय रमेश डावर जी प्रदेश प्रभारी बसपा मध्य प्रदेश विशेष अतिथि सुआलाल जाटव जी जिला प्रभारी, डॉ द्वारका प्रसाद धाकड़ जी जिला प्रभारी तथा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष धनीराम चौधरी ने की माननीय बहन जी का जन्मदिन 15 जनवरी 2023 को पूरे देश में माननीय बहन कुमारी मायावती जी का जन्मदिन पार्टी के कार्यकर्ता हर्षोल्लास के साथ एक जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया क्योंकि माननीय बहन जी के संघर्ष को देखते हुए त्याग और बलिदान को संघर्ष दलितों शोषित पीड़ितों के हितेषी अन्याय अत्याचार के खिलाफ तत्पर तैयार रहती हैं मुख्य अतिथि रमेश डाबर प्रदेश प्रभारी जी के द्वारा अपने उद्बोधन में तमाम ह्यष्-ह्यह्ल ओबीसी मायनोरिटी से संबंधित घटना को लेकर मध्य प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार

पर निशाना साधा कि अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग के लोगों पर बड़े पैमाने पर अन्याय अत्याचार हो रहे हैं और सामंत शाही करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मध्य प्रदेश की भोपाल विधानसभा में भाजपा के सीएम माननीय शिवराज सिंह चौहान जैसे एक संवैधानिक पद पर रहते हुए सरकार को चलाते हुए उनको भी बड़ी अभद्र गाली गलौज दी गई फिर भी सरकार के सामने ही करणी सेना के लोगों को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए था और साथ ही साथ कहा गया कि सरकार के खुफिया तंत्र सीआईडी सीबीआई सीसी फुटेज कैमरे के होते हुए भी यह सब हो रहा है तो आम जनता को भाजपा सरकार क्या बचाएगी सरकार में बहन बेटी महिला सुरक्षित नहीं है मासूम बच्चियों के साथ को दुष्कर्म बलात्कार के मामले बड़े पैमाने पर हुए हैं किसान भारी पैमाने पर सरकार से दुखी होकर कई किसानों ने फांसी लगाकर आत्महत्या की उनको रोकने के लिए बहुजन समाज पार्टी मध्यप्रदेश में 2023 में कार्यकर्ताओं के संकल्प को लेते हुए बसपा की सरकार होगी इसकी तकदीर और तस्वीर आमजन नागरिकों एससी ,एसटी, ओबीसी मायनोरिटी के भाइयों की सरकार होगी तभी उनको मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल पाएगा। इसी क्रम में भीम मिशनरी गायक सुमन प्रताप चौधरी को भी आड़े हाथ लिया गया और कहा गया कि ऐसे लोगों को कार्यक्रम में नहीं बनाना चाहिए क्योंकि कोई का भी मंच पर यह लोग चले जाते हैं इनका कोई भी मिशन नहीं है तब सोन प्रताप चौधरी मिशनरी गायक ने मंच से समस्त जनता के सामने कहा गया कि मैं बहुजन समाज पार्टी के मंच के अलावा किसी मंच पर नहीं जाऊंगा मैं अपने पुत्र की कसम खा कर के संकल्प लिया बहन जी जन्मदिन के शुभ अवसर पर जन कल्याणकारी दिवस समारोह के कार्यक्रम में गांव गांव से महिला पुरुष कार्यकर्ता हजारों की संख्या में बहन जी के जन्मदिन को मनाने हेतु शामिल हुए।

## विरागोदय महामहोत्सव समिति के सदस्य व्यवस्थाओं को लेकर जिला कलेक्टर एवं एसपी से मिले

**पुष्पांजली टुडे**

दमोह। पथरिया नगर में आयोजित होने वाले विरागोदय महामहोत्सव के लिए स्थानीय समिति जिला कलेक्टर एवं एस पी से मिली।जिसमे आगामी महोत्सव को लेकर आवास, परिवहन, स्वास्थ्य, स?क, विधुत व्यवस्थाओं विषयक पर कलेक्टर से चर्चा हुई। कलेक्टर ने प्रतिनिधि मंडल से समस्त जानकारियां मांगी एवं सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान नवागत एस पी भी मौजूद रहे। प्रतिनिधि मंडल में संतोष दुबे, सुंदरलाल विश्वकर्मा, आलोक चौधरी, राजेश कुबेर, विनय मलैया, मनोज पिल्ली, कपिल दुबे, रोहित जैन, नवीन फट्टा, पिंटू सहित अन्य सदस्यों कि उपस्थिति रही।

# पॉलीटेक्निक अतिथि व्याख्याताओं ने की फिक्स मानदेय की मांग की मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

**अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी - शिवपुरी प्रवास पर आए गुना - शिवपुरी सांसद डॉ. के पी यादव जी से पॉलीटेक्निक अतिथि विद्वान संघ के प्रदेश सचिव दिनेश कुमार ने ज्ञापन देकर लंबित फिक्स मानदेय की मांग की इस अवसर पर अतिथि व्याख्याता मनोज शाक्य और मनीष चौकोटिया एवं अतिथि व्याख्याता उपस्थित रहे। कैबिनेट में 1वर्ष पूर्व निर्णय आज भी लंबित पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग अतिथि व्याख्याताओं के कैबिनेट से 1 वर्ष पूर्व 18 जनवरी 2022 को कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं को ही न्यूनतम फिक्स मानदेय प्रतिमाह रुपए 30000 (तीस हजार रूपए) दिए जाने के लिए तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा प्रस्ताव पास किया गया था। किंतु उच्च पदों पर आसीन प्रशासनिक अधिकारियों की मनमाने रवैए के चलते आदेश आज दिनांक तक जारी नहीं हुआ है। नियमों का नहीं पालन विभाग द्वारा 20 वर्षों से एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन) के मापदंडों के अनुसार अहर्ता रखते हुए वर्तमान में कार्य कर रहे है। किंतु 11 जनवरी 2023 को डीटीई (डिपार्टमेंट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन) सतपुड़ा भवन भोपाल द्वारा पोर्टल के माध्यम से मनमाने तरीके से पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्रथम श्रेणी में न्यूनतम अर्हता को वरीयता न देते हुए उच्चतम अहर्ता पीएचडी, एमटेक को रखा गया है जबकि नियमानुसार उच्चतम अहर्ता

का सिर्फ अधिभार जोड़े जाने का नियम है। इस पर विभाग द्वारा एआईसीटीई नियमों की अनदेखी की गई है। अवैध गेट स्कोर कार्ड किए मान्य यहां बताना चाहेंगे कि उच्च न्यायालय खंड पीठ द्वारा पूर्व में गेट (ग्रेजुएशन एप्टीट्यूड इन इंजजिरिंग) कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं है यह मात्र उच्च शिक्षा अध्यन का एक माध्यम है। फिर भी विभागीय अधिकारियों द्वारा अतिथि व्याख्याता भर्ती में गेट स्कोर कार्ड को मान्यता दे दी किंतु सत्यापन नियमावली में सत्यापन केंद्रों पर नोडल अधिकारयों को विभाग द्वारा कोई भी वैध मैन्युअल नहीं दिया इस कारण से जिन आवेदकों के पास 2 साल के बाद एक्सपायरी डेट बाला गेट स्कोर कार्ड था उसका सत्यापन नहीं किया गया जबकि कुछ केंद्रों पर सत्यापन हुआ। इस प्रकार जारी मेरिट लिस्ट में अनियमितता प्रतीत होती है। पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग अतिथि व्याख्याताओं की मुख्य मांगे ढ्ढष्टञ्जश्व नियमानुसार क्क्ष्ठ /क्कञ्जश्वष्ट॥ न्यूनतम अर्हताधारी अनुभवी कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं को फिक्स मानदेय की कार्यवाही प्राथमिकता से की जावे। उच्चतम अर्हता का अधिभार जोड़कर समायोजित किया जावे। वर्तमान में कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं का डाटा ष्ठञ्जश्व क्कत्रञ्जरु पर नए अतिथि व्याख्याता भर्ती से पहले सार्वजनिक किया जावे। कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं के लिए फिक्स - मानदेय रू. 57700/- प्रतिमाह जारी कर सामान कार्य - समान वेतन का लाभ वर्तमान में महगाई दर के हिसाब से दिया जावे। कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं को 65 वर्ष की उम्र सीमा तक स्थायित्व देते हुए नौकरी से न हटाया जावे। महिला अतिथि व्याख्याताओं को मातृत्व अवकाश का लाभ दिया जावे। कार्यरत अतिथि व्याख्याता की पोस्ट को विभाग ने रिक्त नहीं माना है अतः ट्रांसफर नीति से कार्यरत अतिथि व्याख्याता को नियमित व्याख्याता से ट्रांसफर न किया जावे।

# सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश के विरोध में डॉक्टरों ने सौंपा ज्ञापन

**पुष्पांजली टुडे**

दमोह।आयुष विभाग में सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश का विरोध देखने को मिलने को मिल रहा हैं। इसी को लेकर आयुष विभाग के डॉक्टरों ने एक ज्ञापन आयुक्त महोदय के नाम जिला आयुष अधिकारी को सौंपा हैं। ज्ञापन में कहा गया कि प्रत्येक प्रभारी चिकित्सक का लक्ष्य प्रतिमाह दो या अधिक शिविर के आयोजन का होता है प्रदेश में चिकित्सक विहीन औषधालय में जिनमें कार्य व्यवस्था की दृष्टि से अन्य औषधालय से चिकित्सक की ड्यूटी लगाई जाती है जिसके चलते एक चिकित्सक एक से अधिक औषधालय का प्रभारी होता है साथ ही परिवार नियोजन कार्यक्रम पोषण अभियान एवं अन्य शासकीय कार्यक्रमों में चिकित्सक की भागीदारी होती है। उस अवस्था में उन कार्य दिवसों में लोकेशन परिवर्तन एवं समय की अनिश्चित्ता के कारण उपस्थिति दर्ज होना कठिन होगा। एकीकृत प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र में पदस्थ आयुर्वेद चिकित्सक को आयुष कार्य के साथ-साथ बी.एम ओ एवं सी.एम.एच.ओ. के कार्यालयीन आदेश के पालन में अन्यत्र ड्यूटी करनी पडती है उस दशा में भी उक्त कार्यदिवस में अनुपस्थिति दर्ज होगी। मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री महोदय माननीय शिवराज सिंह चौहान जी के द्वारा 01/04/2018 को भी ई अटडेंस योजना को कर्मचारियों के लिए अपमानजनक मानते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को देखते हुए लागू ना करने हेतु कहा गया था। इसके अतिरिक्त कार्यालयीन रिपोर्ट, दवा प्राप्ति मीटिंग एवं अन्य शासकीय कार्य हेतु समय समय पर जिला कार्यालय आना होता है अगर सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज होगी तब कार्यालयीन समय तक कार्यालय आना एवं उक्त कार्यो का संपादन करना कठिन होगा। आयुष

के सभी औषधालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित है वहां मोबाइल का नेटवर्क बहुत कम या नही मिलता है बिजली की बेहद समस्या बनी रहती है। जिस परिस्थिति में मोबाइल की बैटरी डिस्चार्ज होने पर उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती तथा यह कार्यदिवस अनुपस्थिति माना जायेगा।अधिकांश औषधालय दूर ग्रामीण क्षेत्रो में स्थित होने के कारण जहां की भौगोलिक परिस्थितियाँ जैसे नदी, नाले होने के कारण सभी मौसम में औषधालय में समय पर उपस्थित होने में कठिनाईयों का सामना करना पडता है। जिसके कारण उस कार्यदिवस पर अनुपस्थिति दर्ज होने का संशय बना रहेगा। इसके साथ चिकित्सक विहीन औषधालय में अतिरिक्त ड्यूटी में भी विपरित भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है औषधालयों में यही स्थिति होने के कारण कार्य दिवस पर अनुपस्थित होने की ह्युड्डुद्वड्डुह्य4ड्डुबनी रहेंगी। अधिकतर आयुष औषधालयों में अधीनस्थ कर्मचारियों का अभाव होने के कारण चिकित्सक द्वारा ही विभिन्न कार्यो का प्रबंधन बिना किसी शिकायत के लगातार किया जा रहा है। ऐसी अवस्था में ई अटेंडेंस के लिए बाध्य करना हमारी कर्तव्य निष्ठा पर प्रश्नचिन्ह उत्पन्न करने जैसा है जो कि कर्तव्य निष्ठ चिकित्सकों के लिए सम्मानजनक स्थिति नहीं है। आयुष औषधालय के संचालन / प्रबंधन के अतिरक्त अधिकांश चिकित्सकों को आयुष ग्राम नोडल हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नोडल सूचना के अधिकार हेतु नोडल व जन सुनवाई जैसे कार्यों के लिए नोडल नियुक्त किया जाता है जिसके कारण जिला कार्यालय में कार्य निष्पादन हेतु आने की बाध्यता होती है जिसके कारण ई अटेंडेंस में संबंधित दिवसों में उपस्थिति दर्ज कराने में असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। अतः आपसे निवेदन है कि उपरोक्त बिन्दुओं पर विचार करते हुये वर्तमान में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति की अनिवार्यता को स्थगित करने की कृपा करें।

## नाबालिग पीड़िता का व्यपहरण कर उसके साथ दुष्कर्ष करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

गोहद। विशेष लोक अभियोजक, शैलेन्द्र कुमार शर्मा के अनुसार न्यायालय पूरन सिंह, विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो अधिनियम गोहद जिला भिण्ड विशेष सत्र प्र0क0 04/2021 म0प्र0 राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र मालनपुर विरुद्ध मनोज जाटव, में आज दिनांक 16.01.2023 को आरोपी 1. मनोज जाटव पुत्र अमर सिंह जाटव उम्र 24 वर्ष निवासी तो? वाली माता का पुरा थाना गोहद चौराहा जिला भिण्ड (म0प्र0) को धारा 363, 366 (ए) भा0दं0स0 में दोषी मानते हुए कमशः 5-5 वर्ष के सश्रम कारावास एवं पांच-पांच सौ रुपये के अर्थदण्ड से तथा धारा 376 (2) (आई) (जे) (एन) भा0दं0सं0 व धारा 5(एल)/ 6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में दोषी मानते हुये उसे आजीवन कारावास एवं 2,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

अभियोजन का प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है दिनांक- 12.12.2020 को प्रातः 11ः00 बजे फरियादिया की नाबालिग पुत्री / पीडिता उम्र 13 वर्ष अपने छोटे भाई के साथ आधार कार्ड बनवाने के लिये गोहद चौराहा गई थी तभी रास्ते में अभियुक्त मनोज जाटव मोटरसाईकिल लिये हनुमान चौराहा पर पीडिता को मिला और पीड़िता के छोटे भाई से बोला कि वह पीड़िता को आधार कार्ड बनवाने के लिये गोहद चौराहा ले जा रहा है। उक्त बात फरियादिया को उसके छोटे पुत्र ने बताई, लेकिन पीडिता रात्रि तक वापस नहीं आई। फरियादिया को संदेह हुआ कि मनोज जाटव उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है और पीडिता की तलाश करते रहने से उसके नहीं मिलने पर वह दिनांक- 26.12. 2020 को थाना मालनपुर में रिपोर्ट करने गई। उक्त घटना के संबंध में फरियादिया द्वारा थाना मालनपुर में प्रस्तुत लेखी रिपोर्ट के आधार पर थाना मालनपुर में अपराध क्रमांक- 213 / 2020 अंतर्गत धारा-363 भा0दं0सं0 पंजीबद्ध किया गया और गुमशुदगी क्रमांक-15/2020 का पंजीयन किया गया। तथा शेष आवश्यक अनुसंधान उपरात अभियोगपत्र पेश किया गया और न्यायालय द्वारा विचारण उपरान्त अभियुक्त मनोज को दोषी मानते हुए दण्डित किया गया।

## प्रस्फुटन समिति कि बैठक संपन्न

**पुष्पांजली टुडे**

दमोह। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला दमोह के नेतृत्व में नंवाकुर संस्था,वतन एकता समाज कल्याण एवं विकास समिति दमोह के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रामगढ़ में बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें पर्यावरण जल संरक्षण,शिक्षा, स्वास्थ्य,कृषि आदि पर चर्चा की गई जिसमें प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष उमेद सिंह,छत्रपाल सिंह, भरत सिंह, एवं नंवाकुर संस्था कि सदस्य बबली विश्वकर्मा कि उपस्थिति रही।

## हितग्राहियों को मिले राशन कार्ड का लाभ उन्हें बनवाने पर ध्यान दें अधिकारी

### आयुष्मान कार्ड के कार्य में वांछित प्रगति न पाये जाने दो अधिकारियों को शोकाज नोटिस

**पुष्पांजली टुडे**

**दमोह।** जिले के प्रत्येक पात्र हितग्राही का आयुष्मान कार्ड बन जाए, सभी नगरीय और ग्रामीण निकाय के अधिकारी सुनिश्चित करें। इस कार्य में गति लाई जाए, इसमें जो भी आवश्यक सहयोग हो सुनिश्चित किया जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर एस कृष्ण चैतन्य ने आज समय सीमा बैठक के दौरान दिए। उन्होंने कहा इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा ऐसे करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। समीक्षा के दौरान पटेरा और हिंडोरिया नगर पालिका अधिकारियों को समीक्षा में वांछित प्रगति ना पाये जाने पर शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।चैतन्य आज समय समय सीमा बैठक में दिशा निर्देश दे रहे थे। बैठक में सी ई ओ जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव और एडिशनल कलेक्टर नाथूराम गौं? सहित जिला अधिकारी और व्हीसी के माध्यम से एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ जनपद पंचायत तथा नगरपालिका अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर चैतन्य ने प्रधानमंत्री आवास की समीक्षा करते हुए समय सीमा में कार्यों को पूर्ण सुनिश्चित कराने के लिए

कहा। उन्होंने अब तक जारी हुई किस्तों की भी नगरीय निकाय वार जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने आधार सीडिंग की जनपद वार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से कहा समय सीमा में कार्य सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।कलेक्टर चैतन्य ने वन नेशन वन राशन कार्ड के संबंध में चर्चा करते हुए जिले में चिन्हित किए गए 5000 राशन कार्डों में से 2400 राशन कार्ड डिलीट किए गए हैं, जिसकी वजह मृत, अपात्र या बोगस पाया गया की चर्चा करते हुए कहा जो हितग्राही बाहर हैं उनसे कहा जाए कि वे जहा हैं वहा से राशन प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही कहा इस तरह की कार्यवाही लगातार जारी रखी जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अपात्रों से वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा किसानों की केवाईसी लंबित ना रहे, सभी संबंधित अधिकारी सुनिश्चित कराये। केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण हो जाए। इसी प्रकार राजस्व प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा करते हुए त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। राजस्व वसूली की भी समीक्षा की गई। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए श्री चैतन्य ने कहा अधिकारी त्वरित गति से निराकरण सुनिश्चित करें। 1 से 15 फरवरी तक विकास यात्रा आयोजित की जाएगी, सभी संबंधित इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गयें। बैठक में अटल भूजल के साथ ही संबल-2 की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की विभागवार जानकारी जिन विभागों में लंबित है शीघ्र भेजने के निर्देश दिए गए।

## पचेरा गाँव में हुए तिहरे हत्या कांड के पाँच आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ़्तार, ग्यारह आरोपी अभी भी फरार

मेहगांव। भिंड जिले के मेहगांव थाना क्षेत्र में पचैरा गांव में हुए तिहरे हत्याकांड मैं पुलिस ने पाँच आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है,जिसका खुलासा मेहगांव थाना परिसर में आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया गया,दरअसल रविवार को मेहगांव थाना अंतर्गत आने वाले पचेरा गांव में खूनी संघर्ष हो गया था जहां पूर्व सरपंच और उनके परिवार ने मिलकर चुनावी रंजिश में गांव के ही एक परिवार के तीन सदस्य हातिम प्रसाद त्यागी नरेंद्र त्यागी और धीरेंद्र त्यागी की गोली मारकर हत्या कर दी थी इसके बाद से ही आरोपी फरार थे,इस पूरे घटनाक्रम के बाद आक्रोशित जनता ने मेहगांव में चक्का जाम भी कर दिया था,जनाक्रोश को लेकर पुलिस ने देर शाम पूर्व सरपंच सहित उनके परिवार के करीब 15 लोगों पर हत्या और हत्या के प्रयास समेत तमाम धाराओं में एफ आई आर दर्ज की थी,और उसके बाद से ही आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे वही 24 घंटे के अंदर ही पुलिस ने 5 आरोपियों की गिरफ्तारी करने में सफलता हासिल कर ली है,दरअसल मेहगांव थाना परिसर में भिंड एसपी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात का खुलासा किया गया प्रेस वार्ता में एसपी ने प्रभारी,बरासोऔर बरोही थाना प्रभारी को भी आरोपियों की पतासाजी और गिरफ्तारी की जिम्मेदारी दी गई, जिसमें सफलता हासिल

बताया कि मामले में एफआईआर होने के बाद से ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही थी इस के लिए साइबर सेल से उप निरीक्षक शिव प्रताप सिंह और दीपेंद्र सिंह की टीम के साथ मेहगांव थाना प्रभारी गौरमी थाना प्रभारी अमायन थाना करते हुए पुलिस ने 5 आरोपियों को राउंडअप कर जब पूछताछ की तो उनके पास से वारदात में प्रयुक्त हुए हथियार जिनमें 3 कट्टे एक कुल्हाड़ी और एक फरसा भी जप्त किया गया पुलिस द्वारा अभी भी आरोपियों से पूछताछ जारी है साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के भी प्रयास किए जा रहे हैं उन सभी संभावित इलाकों में पुलिस की लगातार दबिश जारी है जहां से सभी फरार आरोपी की गिरफ्तारी हो सकती है,पुलिस ने फिलहाल मामले में शिव सागर त्यागी, जितेंद्र त्यागी, रामानंद, राहुल और विशाल त्यागी को गिरफ्तार कर लिया है एसपी ने यह भी बताया कि फरार आरोपियों पर 10 हजार के इनाम की भी घोषणा की गई है,एसपी का कहना है कि इस पूरे मामले में मुख्य आरोपी पूर्व सरपंच निशांत त्यागी का भी रिकॉर्ड निकलवाया गया है,जिसमें पता चला है कि उस पर पहले भी कुछ गंभीर प्रकरण दर्ज है,वह इस मामले में जल्द ही आरोपियों के मकान तोड़े जाने की बात भी सामने आई है जिस पर एसपी का कहना है कि मकान या निर्माण पर होने वाली किसी भी कार्रवाई की जिम्मेदारी प्रशासन की होती है या राजस्व का मामला है इसलिए मेहगांव एसडीएम और भिंड कलेक्टर इस संबंध में जांच करा रहे हैं,यदि उसमें कुछ गलत पाया जाएगा तो प्रशासन उस पर कार्रवाई का निर्णय लेगा।

## भिंड कलेक्टर अगर समय रहते जांच करते तो पचेरा की घटना नहीं घटतीः नेता प्रतिपक्ष

भिण्ड। जिले की तहसील मेहगांव के ग्राम पचेरा में 3 लोगों की हत्या के बाद पचेरा सहित आसपास के ग्रामो में लोगों में दहशत है और तनाव बना हुआ है। इस घटना पर लहार विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा कि यह पंचायतों में फैले भ्रष्टाचार का उदाहरण है। दरअसल भिंड जिले मेहगांव तहसील के पचेरा ग्राम पंचायत के मौजूदा सरपंच और पूर्व सरपंच के बीच चली आ रही चुनावी रंजिश उस समय खुलकर सामने आई जब पूर्व सरपंच के लोगों ने खेतों में जा रहे मौजूदा सरपंच के परिजनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस वारदात में हाकिम सिंह गुल्लू और टिंकू त्यागी की मौत हो गई। इसके बाद पूर्व सरपंच के लोगों ने एक शख्स की और हत्या कर दी। इन दोनों ही घटनाओं के बाद पचोर गांव में 6 थानों का पुलिस बल तैनात किया गया है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा कि जिले की पंचायतों में भ्रष्टाचार इस कदर है कि भ्रष्टाचार के बगैर न्याय नहीं मिलता है। मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना में 60 फ़ीसदी पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है, यही स्थिति महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अनुसूचित जाति विकास विभागों की है। उन्होंने कहा कि पंचायतों में भ्रष्टाचार को लेकर और खास तौर पर पचेरा पंचायत के मामले में उन्होंने भिंड कलेक्टर से टेलीफोन पर चर्चा कर भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच कराए जाने की बात कही थी। साथ ही उन्होंने कलेक्टर को एक पत्र भी लिखा था लेकिन भिंड कलेक्टर ने इस मामले में कार्यवाही तो दूर जांच करना भी उचित नहीं समझा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अगर सही समय पर भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच होती तो आज यह नौबत नहीं आती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि स्थिति यह है कि बगैर भेंट चढ़ाई ना तो धनराशि आवंटित होती है और ना ही फाइल आगे बढ़ती है। डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा कि भिंड जिले के कलेक्टर इस घटना से सबक लें अन्यथा वह भ्रष्टाचार के मामले में जन आंदोलन करेंगे।

### हवाई फायरिंग का आरोपी अवैध हथियार सहित पुलिस गिरफ्त में

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री निशा रेड्डी के मार्गदर्शन में आज अन्नू उर्फ अनूप शर्मा निवासी गुलाब बाग भिंड को आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर देशी कट्टा के बरामद किया गया।

## मकर संक्रांति के पावन पर्व पर श्रोतागण का उमड़ा भारी जन सैलाब

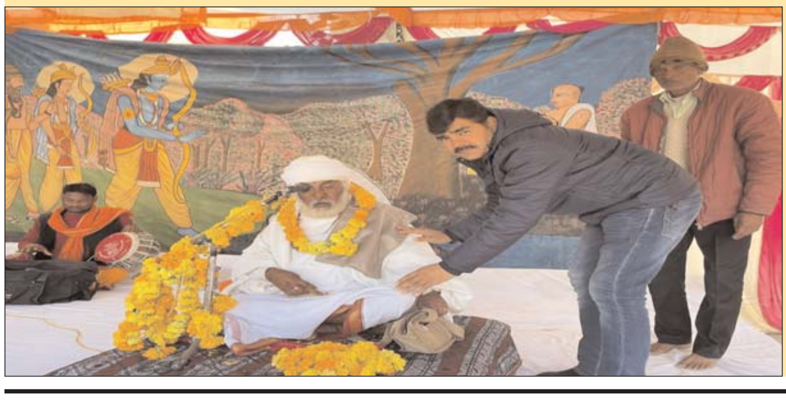

### - नगर के एतिहासिक धाम बालाजी धाम पर तीन दिवसीय श्री रामचरित्र मानस शरद सत्संग महोत्सब का हुआ समापन

भिण्ड। जिले के लहार अनुविभाग के मिहोना नगर में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर हर बर्ष की भाँति इस बर्ष भी श्री राम चरित्र मानस शरद सत्संग महोत्सब में आमंत्रित संत विद्वान में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर राम दास जी महाराज दंदरौआ धाम जिला भिंड, श्री श्री 1008 श्री शिया शरण दास जी महाराज अयोध्या धाम, श्री श्री 1008 कमलेश पुरी (मोनी महाराज जी) मेहरा धाम लहार भिंड, साध्वी संगीता देवी, अभय दाता श्री हनुमानजी आश्रम रूरा कानपुर देहात (उप्र), श्री बजरंग शरण दास जी रामायणी स्थानीय प्रवक्ता, इन सभी के द्वारा नगर के एतिहासिक धाम बालाजी धाम सूर्य मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय श्री राम चरित्र मानस शरद सत्संग महोत्सब का समापन हुआ। इस दोरान मिहोना नगर परिषद के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष पती शिवमोहन सिंह नगर परिषद में विधायक प्रतिनिधि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने प्रवचन वक्ता एवं कथा श्रवण करने आए लग्भग आधा सेंकडा साधु संतों को शॉल ,कम्बल श्रीफल के साथ 500 की राशि लिफ़ाफ़ा देकर सम्मानित कर आशीष प्रदाय किया। कार्यक्रम में मंच का संचलन ओम प्रकाश पचोरी, राजबहादुर सिंह कुशवाह के द्वारा किया गया, इस दौरान बालाजी न्यास समिति की कमेटी के अध्यक्ष ब्रजपाल सिंह एडवोकेट एवं कमेटी के सदस्य मुनेंद्र सिंह , शिवपाल सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, ब्रजेंद्र सिंह ,रामबाबू सिंह , रामभान सिंह, एवं नगर परिषद के अध्यक्ष ठकुरी प्रसाद कुशवाह , शिवहरी शर्मा, रामशंकर तोमर, अभिनेंद्र सिंह टिंका हनुमंत सिंह, देशराज यागिक,सहित अन्य लोग एवं भारी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे।

# पेट से पूरी गंदगी बाहर करके पाचन को बूस्ट कर देगी यह एक आदत, फैट बर्न करने में भी इसके लाभ

पाचन स्वास्थ्य का ठीक रहना पूरे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। इसके लिए विशेषज्ञ कुछ आदतों में बदलाव पर जोर देते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि अगर हम दिनभर भरपूर मात्रा में पानी पीते हैं तो इसके कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। वहीं अगर सुबह खाली पेट गर्म पानी पिया जाए तो यह और भी लाभदायक हो सकता है। रोजाना सुबह दो गिलास गर्म पानी पीने की आदत पेट से पूरी गंदगी बाहर करके पाचन स्वास्थ्य में विशेष सुधार करने में आपके लिए मददगार हो सकती है। गर्म पानी पीने की आदत को आंतों से लेकर लिवर को डिटॉक्स करने और फैट को कम करने तक के लिए फायदेमंद पाया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सुबह गर्म पानी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म सक्रिय होता है, जिसके परिणामस्वरूप न सिर्फ पाचन स्वास्थ्य ठीक रहता है साथ ही इससे वजन को कम करना भी आसान होता है। गर्म पानी पीने से आंतों को साफ करने और शरीर में अपशिष्टों को कम करने में मदद मिलती है, जिससे पेट फूलने, कब्ज, बवासीर जैसी दिक्कतों से बचाव किया जा सकता है। सभी लोगों को नियमित रूप से यह आदत जरूर बनानी चाहिए। आइए जानते हैं कि रोजाना सुबह गर्म पानी पीने से और क्या-क्या लाभ हो सकते हैं पेट की कई दिक्कतें होती हैं दूर डिहाइड्रेशन को कब्ज की समस्या के प्रमुख कारकों में से एक माना जाता है, रोज सुबह गर्म पानी पीने से शरीर हाइड्रेटेड रहता है और पाचन स्वास्थ्य भी ठीक होता है। आंतों और लिवर की सफाई होने और अपशिष्टों के बाहर निकलने से इन अंगों के कार्य को और बेहतर किया जा सकता है। साल 2016 के एक अध्ययन में पाया गया कि सर्जरी के बाद गर्म पानी आंतों को स्वस्थ रखने और गैस कम करने में काफी लाभकारी हो सकती है। हाइड्रेटेड रहने से मल पास करना भी आसान हो जाता है। फैट बर्न करने में सहायक यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो भी रोज सुबह गर्म पानी पीने से विशेष लाभ मिल सकता है। यह आदत आपके मेटाबॉलिज्म को सक्रिय करती है, इससे वजन कम करने में मदद मिलती है। गर्म पानी शरीर में फैट के अणुओं का ब्रेक डाउन करके पाचन को आसान बनाती है। इस आदत से शरीर में अतिरिक्त फैट के जमाव को भी कम किया जा सकता है। वजन को कंट्रोल में रखने के लिए भी इस आदत से लाभ मिलता है। सुबह गर्म पानी पीने से इम्युनिटी को भी मजबूती मिलती है, विशेषकर ठंड के मौसम में इसके कई प्रकार के लाभ हैं। गर्म पानी पीने से शरीर के तापमान को सामान्य बनाए रखने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह गले के संक्रमण और सर्दी-जुकाम की समस्या को कम करने का भी प्रभावी उपाय है। गले की खराश को दूर करने में इस आदत से आपको विशेष फायदा मिल सकता है। मूड भी रहता है ठीक अध्ययनों से पता चलता है कि गर्म पानी पीने से केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के कार्यों में सुधार होता है, ऐसे में आप कम चिंतित महसूस करते है। साल 2014 के एक अध्ययन के अनुसार, कम पानी पीने से संतुष्टि और सकारात्मक भावनाओं में कमी हो सकती है, इसलिए हाइड्रेटेड रहना आपके मूड को ठीक रखने में भी लाभकारी है।

## मकर संक्रांति पर तैयार करें तिल से बना नमकीन स्नैक्स, आसान है विधि

मकर संक्रांति का पर्व है। इस दिन से सर्दियों का मौसम खत्म होने लगता है और पतझड़ की शुरूआत हो जाती है। मकर संक्रांति के मौके पर लोग सुबह स्नान दान के बाद दही चूड़ा, खिचड़ी और तिल से बने लड्डू का सेवन करते हैं। लोहड़ी और मकर संक्रांति पर इन चीजों को खाना शुभ माना जाता है। इन सभी का सेवन सेहत के लिए भी लाभकारी है और सर्दी में खाने से गर्माहट भी मिलती है।

भारतीय रसोई में तिल के लड्डू, तिलकुट आदि बनता है। हालांकि कुछ लोगों को अधिक मीठा खाना पसंद नहीं होता। ऐसे में तिल से नमकीन स्नैक्स भी बनाकर परोस सकते हैं। बाजार में तिल की कई मिठाई और लड्डू मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप तिल से बना कोई नमकीन स्नैक्स खाना चाहते हैं तो यहां आपको एक आसान विधि बताई जा रही है। घर पर ही तिल के बने नमकीन स्नैक्स मकर संक्रांति पर लजीज व्यंजनों के स्वाद को बढ़ा देंगे। आप तिल से टिक्की चाट बना सकते हैं। तिल टिक्की बनाना आसान है और स्वाद में लजीज भी लगता है। तिल टिक्की बनाने के लिए आपको कुछ सामग्रियों की जरूरत होगी। तिल की टिक्की बनाने की सामग्री दो कप आटा, एक कप बेसन, एक चम्मच घी, एक उबला हुआ आलू, एक कप तिल, नमक, हल्दी पाउडर, जीरा पाउडर, अमचूर पाउडर, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा धनिया, सेंकने के लिए तेल। स्टेप 1- गेंहू के आटे और बेसन को मिला लें। स्टेप 2- इस आटे में आधा कप तिल, एक उबला आलू, हल्दी पाउडर, जीरा पाउडर, अमचूर पाउडर, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा धनिया पत्ती और स्वादानुसार नमक मिला लें।

# ठंड में घुटनों के दर्द की बढ़ जाती है समस्या, योगासनों के अभ्यास से इसमें पा सकते हैं आराम

सर्दियों का यह मौसम कई प्रकार से सेहत के लिए समस्याओं को बढ़ाने वाला माना जाता रहा है। यह मौसम न सिर्फ हृदय की सेहत के लिए चुनौतीपूर्ण है साथ ही यह उन लोगों के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाला मौसम है जो पहले से ही घुटनों में दर्द से परेशान हैं। डॉक्टर बताते हैं, ठंड के मौसम में आपके टेंडन, मांसपेशियां, जोड़ के ऊतक सूज सकते हैं, जिसके कारण घुटने में दर्द की समस्या इस मौसम में अधिक देखी जाती रही है। जिन लोगों को पहले से ही आर्थराइटिस की समस्या रही है, उनके लिए सर्दियों का यह मौसम जटिलाओं को बढ़ाने वाला माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके सेहत को ठीक रखने, विशेषकर घुटने और गठिया के कारण होने वाले दर्द को कम करने में विशेष लाभ पाया जा सकता है। योग मांसपेशियों की जकड़न को कम करके रक्त के संचार को बढ़ावा देने में मददगार हैं, जिससे दर्द को कम किया जा सकता है। इतना ही नहीं नियमित रूप से योगासनों के अभ्यास की आदत आर्थराइटिस के जोखिमों को कम करने में भी आपके लिए लाभकारी है। आइए जानते हैं इसके लिए किन योगासनों से लाभ पाया जा सकता है ऑस्टियोआर्थराइटिस में भी योग से लाभ साल 2016 में अध्ययनों की समीक्षा में शोधकताओं ने पाया कि योग के अभ्यास की आदत ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या को कम करने में भी लाभकारी है। अध्ययनों में प्रतिभागियों ने दो सप्ताह में ही दर्द से राहत और कार्यात्मक सुधार का अनुभव किया। इस आधार पर शोधकताओं ने निष्कर्ष निकाला कि योग, घुटनों के दर्द से राहत दिलाने और गतिशीलता में सुधार का एक बेहतर उपाय हो सकता है। गठिया और घुटनों के सामान्य दर्द को कम करने में इससे विशेष लाभ पाया जा सकता है। वॉरियर पोज से मिलता है आराम वॉरियर पोज के नियमित अभ्यास की आदत बनाने से घुटनों को मजबूत

बनाने में मदद मिलती है। योग के अभ्यास से जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों के अतिरिक्त दबाव को कम किया जा सकता है और यह रक्त के संचार को बढ़ावा देने में भी मदद करता है। वॉरियर पोज के दौरान संतुलित मुद्रा में खड़े होने के अभ्यास से घुटने के आसपास की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और दर्द को कम किया जा सकता है। वॉरियर पोज शरीर की सभी बड़ी मांसपेशियों के लिए लाभकारी है। सेतुबंधासन योग से दर्द में लाभ घुटनों के लिए सेतुबंधासन योग के अभ्यास को शोधकताओं ने काफी लाभकारी पाया है। ग्लूट्स को एंगेज करने के साथ एड़ी के माध्यम शरीर को ऊपर उठाने के इस अभ्यास के दौरान शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियों को आराम मिलता है। कमर-पीठ दर्द की समस्या को कम करने के साथ आर्थराइटिस के जोखिमों से बचाने में भी नियमित रूप से सेतुबंधासन योग को फायदेमंद पाया गया है।

## ये हैं गंगा स्नान के लिए सबसे पवित्र स्थान, मकर संक्रांति के मौके पर लगाएं डुबकी

हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक मकर संक्रांति का पर्व इस साल 15 जनवरी 2023 को मनाया जा रहा है। भारत के अलग-अलग राज्यों में मकर संक्रांति को विभिन्न नामों से जाना जाता है। इस त्योहार को पूर्वी उत्तर में खिचड़ी, गुजरात में उत्तरायण और दक्षिण भारत में पोंगल कहा जाता है। संक्रांति तिथि को सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर संक्रांति में गंगा स्नान का भी विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान करने से सात जन्मों के पाप धुल जाते हैं। इस धार्मिक आस्था को लेकर कथा भी प्रचलित है। इसी मान्यता को आधार बनाकर लोग मकर संक्रांति के दिन गंगा नदी या गंगा महासागर में स्नान करके दान पुण्य करते हैं। इस दिन सभी गंगा घाटों पर भीड़ रहती है। अगर आप भी मकर संक्रांति के दिन स्नान करना चाहते हैं तो इन खास जगहों पर गंगा स्नान का पुण्य दोगुना मिल सकता है। आइए जानते हैं गंगा स्नान के लिए सबसे पवित्र स्थान के बारे में। गंगा सागर पश्चिम बंगाल में स्थित पवित्र जगह है। मकर संक्रांति के दिन यहां स्नान करने का विशेष महत्व है। इस जगह को गंगा सागर इसलिए कहते हैं, क्योंकि यहां गंगा नदी और सागर का मिलन होता है। मान्यता है कि गंगा सागर में डुबकी लगाने वाले व्यक्ति को 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गायों को दान करने के समान फल मिलता है। त्रिवेणी संगम, प्रयागराज प्रयागराज का संगम सबसे पवित्र जगहों में से हैं। प्रयागराज के संगम में मकर संक्रांति के दिन शाही स्नान का आयोजन होता है। तीन पवित्र नदियों, गंगा, यमुना और सरस्वती नदी के मिलन होने के कारण इस स्थान को संगम कहा जाता है। प्रयागराज के संगम तट पर कुंभ मेले का भी आयोजन होता है। हरिद्वार धर्मनगरी हरिद्वार पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। मकर संक्रांति के अवसर पर हरिद्वार में गंगा स्नान किया जाता है। वैसे

तो हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए कई घाट है लेकिन हर की पैड़ी सबसे लोकप्रिय और प्रसिद्ध है। प्रति वर्ष मकर संक्रांति पर हरिद्वार में मेले का आयोजन भी होता है। मान्यता है कि यहां गंगा में डुबकी लगाने से पाप धुल जाते हैं। काशी भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी काशी है। काशी में भोलेनाथ का ज्योतिर्लिंग विद्यमान है। बनारस के गंगा घाट काफी प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। मकर संक्रांति के दिन गंगा घाटों पर डुबकी लगाई जाती है। इस दिन काशी विश्वनाथ मंदिर में खिचड़ी महोत्सव का आयोजन होता है।

## बालों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए इस्तेमाल करें प्याज का रस, जल्द मिलेगा फायदा

आज कल की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल की वजह से लोगों के शरीर में कई तरह की समस्याएं सामने आ रहीं हैं। खान-पान में थोड़ा सा बदलाव सीधे आपके तरीकों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपके बालों को काफी फायदा मिलेगा। अगर आप अपने बालों को सिल्की बनाना चाहते हैं, तो ये हेयर मास्क आपके

बालों पर असर दिखाता है। इसी के चलते आज हम आपको बताएंगे एक ऐसी चीज के बारे में जिसकी मदद से आप अपने बालों का स्ट्रांग बना सकते हैं। दरअसल, लोग बालों को मजबूत और शाइनी बनाने के लिए कई तरह के ट्रीटमेंट लेते हैं। क्या आप जानते हैं कि, महज प्याज की मदद से आप ना सिर्फ अपने बालों को मजबूत बना सकते हैं बल्कि हेयर स्पा में खर्च होने वाले रुपयों को भी बचा सकते हैं। प्याज को बालों के लिए एक वरदान माना गया है, क्योंकि प्याज में पौटेशियम भरपूर मात्रा में मिलता है। इसमे मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स स्कैल्प और बालों से जुड़ी सभी समस्याओं को दूर करते हैं। आइए आपको प्याज के रस को इस्तेमाल करने के कुछ ऐसे लिए है। इसका मास्क तैयार करने के लिए सबसे पहले प्याज को अच्छे से पीस कर इसका रस निकाल लें। इसके बाद दो चम्मच प्याज के रस में आधा चम्मच शहद मिलाकर इसे बालों में लगाएं। आधे घंटे बाद इसे धो दें। कुछ ही समय में आप अपने बालों में बदलाव देखेंगे। ये हेयर मास्क बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए सबसे पहले प्याज का रस निकाल लेंगे। इस रस में नारियल का तेल और साथ में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदे अच्छे से मिक्स करें। अब कॉटन की मदद से इसे स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं। इसके बाद हल्के हाथ से मालिश करें। कुछ देर बाद सिर को साफ पानी से धो लें। इसके इस्तेमाल से कुछ हफ्तों में ही बालों से जुड़ी परेशानियां कम होने लगेंगीं।

## मात्र 2000 रुपये में तैयार करें मनीष मल्होत्रा के ये डिजाइनर साड़ी लुक्स

आज के समय में कुछ-कुछ दिनों में कपड़ों का ट्रेंड बदलता रहता है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को होती है जो हर कार्यक्रम में एक दम हटकर दिखना चाहते हैं। अगर एथनिक वियर की बात करें तो महिलाओं के लिए साड़ी सबसे बेहतर ऑप्शन माना जाता है। जिसे ऑफिस से लेकर कॉलेज फेयरवेल में भी पहना जा सकता है। साड़ी को पहनकर हर कोई खूबसूरत के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिख सकता है। ऐसे में अगर साड़ी डिजाइनर हो तो क्या ही कहने। बॉलीवुड एक्ट्रेस कई कार्यक्रमों में मनीष मल्होत्रा जैसे बड़े डिजाइनर की साड़ियां पहनती हैं लेकिन इनकी साड़ी का कलेक्शन इतना ज्यादा महंगा होता है कि हर कोई इसे खरीद भी नहीं सकता। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि बिल्कुल मनीष मल्होत्रा के कलेक्शन जैसे ही होंगे लेकिन इनका दाम महज 1500-2000 के बीच में ही होगा। ब्लैक साड़ी मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन की गई ब्लैक कलर की साड़ी कृति सैनन ने पहनी थी। अगर इसके प्राइज की बात करें तो वो तो काफी ज्यादा है लेकिन हां हूबहू इससे मिलती जुलती ब्लैक साड़ी आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगी। जिसका दाम सिर्फ 1500 से लेकर 2000 तक होगा। ऐसे करें स्टाइल इस तरह की साड़ी को स्टाइल करने के लिए आपको ज्यादा कुछ मेहनत करने की जरूरत नहीं होगी। इस साड़ी के साथ आप अगर मेसी हेयर स्टाइल को चुनेंगीं तो ये काफी ज्यादा अच्छा लगेगा। वहीं आई मेकअप के लिए आप स्मोकी आई कर सकती हैं। पिंक साड़ी मनीष मल्होत्रा की इस साड़ी को हाल ही में शहनाज गिल ने पहना था। इसके साथ उनके स्ट्रेट किए हुए खुले बाल काफी खूबसूरत लग रहे थे। इससे मिलती जुलती हुई साड़ी आपको महज 1000 से 1600 रुपये तक में मिल जाएगी। इसे आप कॉकटेल नाइट में पहन सकती हैं। ऐसे करें स्टाइल इसके साथ अगर आप मोती की ज्वैलरी पहनेंगी तो काफी रॉयल लुक आएगा। वहीं इस साड़ी में आप बालों को खुला रख सकती हैं। गोल्डन कलर की साड़ी गोल्डन रंग की ये साड़ी मनीष मल्होत्रा ने कियारा आडवाणी के लिए डिजायन की थी। इसके जैसी साड़ी को आप आराम से 2000 तक में खरीद सकते हैं। अगर इसको शादी जैसे कार्यक्रम में पहना जाएगा तो इसका शाइनी लुक काफी खूबसूरत लगेगा। ऐसे करें स्टाइल साटन के ब्लाउज के साथ इस तरीके की साड़ी काफी प्यारी लगती है। ब्लाउज को अगर आप बैकलेस बनवाएंगी तो इसकी खूबसूरतू में चार चांद लग जाएंगें। अगर आपको भी साड़ियों के लुक पसंद आए हैं तो देर ना करते हुए जल्द ये जल्द बाजार जाएं और मनीष मल्होत्रा के कलेक्शन से मिलती-जुलती इस साड़ियों को पहन कर जलवा बिखेरें।

## अगर साड़ी में बिखेरना चाहती हैं जलवा तो जान्हवी कपूर के इन लुक्स से लें टिप्स

महिलाओं के लिए साड़ी एक ऐसा भारतीय परिधान है, जिसे किसी भी कार्यक्रम में पहनकर खूबसूरत के साथ-साथ स्टाइलिश दिखा जा सकता है। एक समय था जब लोग वेस्टर्न आउटफिट की तरफ भागते थे, पर आज के समय में लड़कियों को साड़ी पहनना सबसे आसान और कंफर्टेबल लगता है। अगर बात करें बॉलीवुड एक्ट्रेस की तो इनमे जान्हवी कपूर को अक्सर साड़ी में देखा जाता है। एक अवॉर्ड फंक्शन में तो जान्हवी ने अपनी मां श्री देवी की साड़ी पहन कर जलवा बिखेरा था। उनके साड़ी लुक्स अक्सर ट्रेंड में रहते हैं क्योंकि जान्हवी के साड़ी लुक काफी स्टनिंग के साथ-साथ क्लासी भी होते हैं। साड़ी के साथ जान्हवी जिस तरह की ज्वैलरी पहनती हैं वो भी काफी हटकर होती है। इसी के चलते आज हम आपको जान्हवी कपूर के कुछ ऐसे साड़ी लुक्स के बारे में बताएंगे, जिसको फॉलो करके आप भी अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। हाल में जान्हवी कपूर को ब्लश पिंक रंग की ऑर्गेंजा साड़ी पहने देखा गया था। इस लुक मे वो काफी खूबसूरत रहीं थीं। इस साड़ी में 3डी फूलों की प्रिंटिंग थी, जो इसके स्टाइल पर चार चांद लगा रहे थे। इसके साथ जान्हवी ने साड़ी को हॉल्टर नेकलाइन ब्लाउज के साथ कैरी किया था। हल्के से ईयररिंग इस पूरे लुक की शोभा बढ़ा रहे थे। कहा जाता है कि पिंक रंग लड़कियों का फेवरेट कलर होता है। जान्हवी भी अक्सर पिंक रंग के आउटफिट में दिख जाती हैं।

# व्यापारी हित में निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे: क्रियेटिव हाउस

ग्वालियर। क्रियेटिव हाउस यदि चेंबर चुनाव में विभिन्न पदों पर विजयी हासिल करता है तो चेंबर आफ कामर्स की भूमिका व्यापारियों एवं उघोगपतियों के हित में निर्णायक होगी। हम गारबेज शुल्क को भी लेकर निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे। क्रियेटिव हाउस के विजयी प्रत्याशी व्यापारियों के हित व मान सम्मान के लिये संघर्ष में लगातार अग्रणी भूमिका में रहेंगे।

उक्त उदगार आज चेंबर आफ कामर्स एंड इण्डस्ट्रीज के चुनावों में खड़े क्रियेटिव हाउस के अध्यक्ष पद प्रत्याशी विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष पद प्रत्याशी हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष पद प्रत्याशी राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव प्रत्याशी जगदीश मित्तल, संयुक्त सचिव पद प्रत्याशी सुनील गर्ग व कोषाध्यक्ष पद प्रत्याशी संदीप नारायण अग्रवाल ने व्यक्त किये। उक्त सभी प्रत्याशी आज अपने क्रियेटिव हाउस के बैनर तले पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे और उन्होंने अपना घोषणा पत्र भी जारी किया। क्रियेटिव हाउस के प्रत्याशियों ने स्पष्ट कहा कि हमारा प्राथमिक उददेश्य व्यापारियों व उघोगपतियों के हितों की रक्षा करना व उनके विभिन्न कार्यों में आने वाली परेशानियां दूर

करना सहित उनको उनके विभिन्न मुददों पर मंच भी दिलाना उददेश्य रहेगा। सभी प्रत्याशियों ने कहा कि गारबेज शुल्क के लिये लड़ाई चेंबर चुनाव बाद तेज की जायेगी।

क्रियेटिव हाउस के प्रत्याशियों ने कहा कि हमारा संकल्प है कि स्थानीय प्रशासन एवं नगर निगम अफसरों के साथ चेंबर में व्यापारियों के समस्या के निराकरण के लिये हर माह जनसुनवाई शिविर का आयोजन होगा, व्यापारियों को टैक्स संबंधी समस्यायें रहती है इनके निराकरण एवं इस संबंध में व्यापारियों को मार्गदर्शन के लिये दो चार्टर्ड एकाउंटेंट नियुक्त किये जायेंगे, व्यापारियों को बैंक से मदद मिल सके इसके लिये जरूरतमंद व्यापारियों की मदद के लिये चेंबर द्वारा वित्तीय सलाहकार नियुक्त किये जायेंगे, चेंबर में एक पूर्णकालिक कार्यालय सचिव की नियुक्ति की जायेगी, शहर के विकास के लिये गठित की जाने वाली प्रशासन एवं जिला स्तरीय प्रबंध समितियों में चेंबर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जायेगा, ग्वालियर में बड़े उघोग आयें एवं वर्तमान में चल रहे उघोगों के लिये चेंबर में हेल्पलाइन बनेगी, लेनदेन संबंधी मामलों के निराकरण के लिये मीडिएशन सेल का गठन होगा, व्यापारियों के खिलाफ कुछ भी दमनकारी कार्रवाई हुई तो इसका पुरजोर विरोध हर स्तर पर किया जायेगा, उघोग एवं व्यापार की लगातार प्रगति हो इसके लिये समय-समय पर सेमिनार - कार्यशाला का आयोजन होगा, गारबेज शुल्क के लिये निर्णायक आंदोलन छेड़ा जायेगा, व्यापारिक समस्याओं के निराकरण के लिये हर माह एक बैठक का आयोजन होगा। कार्यक्रम का संचालन संदीप जैन ने किया।

## बच्चों को हेलमेट लगाकर स्कूल आने की हिदायत दी

**ग्वालियर।** सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत आज केंद्रीय विधालय क्रमांक 1 मे छात्र एवं छात्राओं के दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगााने से किस तरह आप खुद को दुर्घटना होने पर बचा सकते हें। इस सम्बन्ध मे केंद्रीय विधालय के प्रिंसिपल के साथ बच्चों को समझाइस दी गई, क्योकि 15 जनवरी 2020 को केंद्रीय विधालय के दो छात्रों की हेलमेट ना लगाने के कारण दुर्घटना मे मृत्यु हो गई थी7 दुर्घटना के समय मे डीएसपी ट्रैफिक नरेश अन्नोटिया घटनास्थल पर मौजूद था उन बच्चों को तत्काल अस्पताल भिजवाया, लेकिन दोनों बच्चों को बचाया नहीं जा सका था क्योकि हेलमेट ना होने के कारण दोनों बच्चों को सिर मे गंभीर चोट आने से उनकी असमय मृत्यु हो गई थी। इसलिए केंद्रीय विधालय के बच्चों को हेलमेट लगाकर स्कूल आने की हिदायत दी गई।

## जगदीश कुशवाह की सहायता राशि सुरक्षित, चेंबर कोष में जमाः प्रवीण

ग्वालियर। चेंबर चुनाव में व्हाइट हाउस के अध्यक्ष पद प्रत्याशी व पूर्व मानसेवी सचिव डा. प्रवीण अग्रवाल का कहना है कि चेंबर के मृतक कर्मचारी जगदीश कुशवाह के लिये सुरक्षित की गई सहयोग राशि चेंबर के पास जमा है और यह उसकी पुत्रियों के विवाह के समय ब्याज सहित दी जायेगी। उन्होंने कहा कि आरोप निरर्थक है क्योंकि उसके परिजन पूरा पैसा नगद में चाह रहे थे, हम चाहते थे कि यह उसकी पुत्रियों के लिये सुरक्षित रहे इसलिये इस पैसे को रिजर्व कर रखा है।

## हेमंत गुप्ता चेंबर कर्मचारी के परिजन को 50 हजार देंगे

ग्वालियर। मप्र चेंबर आफ कामर्स एंड इण्डस्ट्री के चुनाव में क्रियेटिव हाउस की ओर से संयुक्त अध्यक्ष पद प्रत्याशी हेमंत गुप्ता ने चेंबर के मृत कर्मचारी जगदीश कुशवाह के परिजनों को 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया है। हेमंत गुप्ता ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि यह बेहद मानवीय पहलू है और इस मामले में मेरा अंतर्मन भी दुखी है। मैं यह सहायता व्यक्तिगत रूप से दूंगा।

## शहर की अवैध बस्तियों को सरकार ने वैध करने का काम किया है : मंत्री कुशवाह

ग्वालियर। शहर में लम्बे अर्से से बसीं अवैध बस्तियों को वैध करने का काम प्रदेश सरकार ने पूरी शिद्दत से किया है। साथ ही इन बस्तियों में सुनियोजित ढंग से बुनियादी सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार भारत सिंह कुशवाह ने कही। कुशवाह सोमवार को ग्वालियर शहर के वार्ड-61 व 62 के अंतर्गत गुलाबपुरी, वैष्णोधाम कॉलोनी एवं बीपी सिटी क्षेत्र में विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 187 लाख रूपए लागत के विद्युतीकरण व अन्य विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आग्रह कर इन बस्तियों में विद्युतीकरण के लिये ÷मुख्यमंत्री विशेष निधि÷ से धनराशि मंजूर कराई गई है। उन्होंने कहा गुलाबपुरी में 200 ङ्क 200 हॉर्सपॉवर के 7 ट्रांसफार्मर लगाए जायेंगे।

साथ ही खुरैरी, विद्युत उप केन्द्र की क्षमता 5 एमव्हीए से ब?ाकर 8 एमव्हीए कराई जायेगी, जिससे इस क्षेत्र में वॉल्टेज की समस्या न रहे। कुशवाह ने कहा कि गुलाबपुरी, वैष्णोधाम व वी पी सिटी सहित इस क्षेत्र की अन्य कॉलोनियों में भी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिये धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिये इस क्षेत्र को भी अमृत-2 की कार्ययोजना में शामिल किया गया है। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह ने मुख्यमंत्री विशेष निधि से गुलाबपुरी में 57 लाख 64 हजार रूपए के विद्युतीकरण कार्य और वीपी सिटी फेज-2 में लगभग 73 लाख 54 हजार रूपए के विद्युतीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके अलावा उन्होंने वैष्णोधाम कॉलोनी में लगभग 13 लाख रूपए की लागत से बनने जा रही सीसी रो? व नाली निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षदगण व जनप्रतिनिधिगण सहित ब?ी संख्या में स्थानीय बस्तियों के निवासी मौजूद रहे।

## ऊर्जा मंत्री तोमर ने विभिन्न क्षेत्रों में सड़क, सीवर, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया

ग्वालियर । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर के वार्ड 1, 3 व 5 के विभिन्न क्षेत्रों में स?क, सीवर, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रयाग तोमर, नगर निगम अपर आयुक्त आरके श्रीवास्तव, एसडीएम प्रदीप तोमर सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री तोमर जब विनय नगर सेक्टर दो नशा मुक्ति केन्द्र वाली गलियों में पहुंचे तो क्षेत्रवासियों ने समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि पिछले कई दिनों पहले सीवर लाइन डाली गई, खुदाई से निकली मिट्टी से नाला बंद हो गया, पूरे नाले का पानी सडकों पर बह रहा है जिस कारण क्षेत्रवासियों को निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। जिस पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आज ही मिट्टी हटाकर रोड का कार्य शीघ्र चालू करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने मेंटल चौराहे से पर

निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित दिया कि चौराहे का सौंदर्यीकरण का कार्य शीघ्र किया जाए। चौराहा क्षेत्र में आकर्षण का केन्द्र रहे, इस प्रकार से लाइटिंग की जाए। साथ ही मेंडल चौराहे से बहोडापुर पर रोड पर बने डिवाइडर पर मिट्टी का शीघ्र भराव करने के निर्देश भी दिये। इसके साथ ही उन्होंने बहोडापुर चौराहे के सौंदर्यीकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चौराहे पर सुलभ शौचालय के पास में सेल्फी पॉइंट बनाऐं जिससे चौराहे की सुंदरता और बड़ेगी। इसके साथ ही बरा गांव में स?क, सीवर, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था का स्थानीयजनों के साथ निरीक्षण किया एवं गांव में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के लिए बन रहे उपस्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से जून 2023 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि बरा गांव की विभिन्न गलियां जो मैन रोड से मिलती हैं उन गलियों में पेवर ब्लॉक लगाये जाएं। उन्होंने मोतीझील क्षेत्र में सडकों के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समय से व गुणवत्तापूर्ण सडक बनाने के निर्देश भी दिये।

## चेंबर के पदाधिकारी एवं समूह के लिए मतदान 18 को : निर्वाचन अधिकारी अशोक विजयवर्गीय

ग्वालियर। मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ग्वालियर के पदाधिकारी एवं समूहों के लिए मतदान 18 जनवरी को चेंबर भवन में होगा। मतदान सुबह आठ बजे से शुरू होकर पांच बजे तक चलेगा और उसके बाद मतगणना होगी जो संभवत~ रात्रि तक पूरी कर ली जाएगी। इसके लिए प्रशासन तथा पुलिस की अधिकारियों की टीम भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए मौजूद रहेगी। उक्त जानकारी आज पत्रकारों को चेंबर के लिए नियुक्त निर्वाचन अधिकारी सीए अशोक विजयवर्गीय ने देते हुये बताया कि चेंबर भवन में छह पदाधिकारियों सहित 21 समूहों के लिए निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए जहां सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि छह पदाधिकारी पदों सहित कार्यकारिणी के 21 समूहों के 67 प्रतिनिधि का चुनाव होगा। इसके लिए 104 प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं दो समूह में किसी ने भी पर्चा नहीं भरा तो उसके लिए कोई मतदान नहीं कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाताओं को चार पहचान पत्र आधार कार्ड, पासपोर्ट , ड्रायविंग लायसेंस, एवं पेनकार्ड की मूल प्रति लाना होगी। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्र के पास मीडिया कर्मियों का भी प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि पूरे परिसर में 18 जनवरी को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएगे। वहीं चेंबर के वर्तमान में लगे कैमरों को ढंक दिया जाएगा वैसे अभी यह कैमरे लगभग बंद हैं।

## वार्ड 7 में 3 करोड़ 84 लाख रूपये से अधिक के विकास कार्यों का हुआ भूमि पूजन

**ग्वालियर ।** ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड 7 में 3 करोड 84 लाख रूपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन करते हुए कहा कि उपनगर ग्वालियर में विकास कार्य चरणबद्ध तरीके से कराये जा रहे हैं। जहां जहां जिस कार्य की आवश्यकता है उस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पहले कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कर्यों की श्रृंखला इसी प्रकार प्रत्येक वार्ड में जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स?क, सीवर व विद्युत के साथ-साथ शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किये जा रहे हैं।

प्रत्येक वार्ड में संजीवनी क्लीनिक खोली जा रही हैं जहां आपको प्राथमिक उपचार निशुल्क मिलेगा। इसके साथ ही दो सीएम राइज स्कूल बनने जा रहे हैं। पटेल विद्यालय व कन्या फोर्ट विद्यालय जहां आपके नौनिहाल को प्राइवेट स्कूल से बेहतर सुविधायें व शिक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर विकास की गति को इसी प्रकार बडाते रहेगें। उन्होंने वार्ड 7 में 3 करोड 84 लाख रूपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। जिसमें चुरैल के पेड से खडेश्वरी मंदिर तक नाला निर्माण कार्य लागत 15 लाख 61 हजार रूपये, राधा विहार कॉलोनी में लगभग 1 करोड 75 लाख रूपये की लागत से सीवर लाइन के निर्माण कार्य, साथ ही लगभग 1 करोड 75 लाख रूपये की लागत से शिव विहार में सीवर लाइन निर्माण कार्य, नाके वाली माता मंदिर के पीछे आंगनवाडी से भारत सिंह तोमर के मकान तक 8 लाख 26 हजार रूपये की लागत से बनाई जा रही सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। साथ ही विधायक निधि से बनाई जा रही न्यू इंदिरा नगर में मुखिया जी के मकान से उमेश सिंह तोमर के मकान तक सीसी रोड निर्माण कार्य, नाके वाली माता के पास वाली गली में बृजेश सिंह तोमर के मकान से शंकर सिंह फौजी के मकान तक सीसी रोड निर्माण कार्य, रविन्द्र परिहार के मकान से नाके वाली माता के मैन गेट तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर सुरेन्द्र चौहान, दयाराम पाल, अरूण राजपूत, बृजकिशोर शर्मा, अशोक कुशवाह, आशीष तोमर, केदार राठौर, मुकेश शिवहरे, उम्मेद तोमर सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## व्यापारी हित में पूरी एकजुटता, काम के दम पर मैदान में: व्हाइट हाउस

ग्वालियर। मध्यप्रदेश चेंबर आफ कामर्स एंड इण्डस्ट्री के निर्वाचन में व्हाइट हाउस के प्रत्याशियों ने कहा है कि हम यह चुनाव व्यक्तिगत आरोपों से उपर उठकर व्यापार जगह के हित में व व्यापार और उघोग जगत में आये दिन आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिये पूरी एकजुटता से ल? रहे हैं। व्हाइट हाउस के प्रत्याशियों ने चुनाव में अपने काम के आधार पर दस्तक दी हैं और हमें गर्व है कि हमने चेंबर के सिद्धांतों से भी समझौता नहीं किया। आज महावीर भवन कम्पू में व्हाइट हाउस के अध्यक्ष पद प्रत्याशी डा. प्रवीण अग्रवाल सहित संयुक्त अध्यक्ष पद प्रत्याशी डा. प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रत्याशी संजय कुमार अग्रवाल, मानसेवी सचिव प्रत्याशी दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव प्रत्याशी पवन कुमार अग्रवाल व कोषाध्यक्ष पद प्रत्याशी मनोज अग्रवाल ने पत्रकारों के समक्ष अपना विजन रखा। उन्होंने कहा कि हमारे सामने व्यापारी भाइयों के लिये एक विस्तृत विजन है और हमने अभी तक इसी आधार पर सदा चेंबर का मष्तक उंचा रखा है। प्रत्याशियों ने कहा कि मध्यप्रदेश चेंबर आफ कामर्स एंड इण्डस्ट्री निर्वाचन 2023 में व्हाइट हाउस को सभी बाजारों में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। 116 साल से अधिक चेंबर आफ कामर्स एंड इण्डस्ट्री के विकास में व्हाइट हाउस की भूमिका अग्रणी और संरक्षक के रूप में रही है। व्हाइट हाउस की नीतियों और विचारधारा का व्यापारियों ने सदैव समर्थन किया है और आज भी वह समर्थन भरपूर मिल रहा है। व्हाइट हाउस के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि छहों प्रत्याशी जीत कर आते हैं तो चेंबर को एक नई उंचाई प्रदान करेंगे। हमारी विचारधारा से मेल रखने वाले कार्यकारिणी सदस्य और चेंबर के निर्वाचित पदाधिकारी मिलकर ग्वालियर के उघोगों और व्यापार को ब?ाने के लिये सदैव कार्य करेंगे। जीएसटी और स्टेट जीएसटी के अधिकारियो की जो तानाशाही चल रही है उससे ग्वालियर चंबल संभाग के व्यापारी आये दिन परेशान होते हैं। हम चेंबर के माध्यम से इस उत्पीडन को रोकेंगे।

डा. वीरेन्द्र कुमार गंगवाल, अरविंद अग्रवाल, भूपेन्द्र जैन, पारस जैन, प्रशांत गंगवाल, बसंत अग्रवाल ने बताया कि अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डा. प्रवीण अग्रवाल ने एक लंबे समय तक चेंबर के माध्यम से व्यापारियों की सेवा की है। मानसेवी सचिव पद के प्रत्याशी जुझारू और संघर्षशील अनुभव के साथ सेवा में उतरे है। हमारे सभी प्रत्याशियों ने कंधे से कंधा मिलाकर व्यापारिक आंदोलनों में सदैव सहयोग प्रदान किया है और यही कारण है कि आज विभिन्न बाजारों में चेंबर आफ कामर्स एंड इण्डस्ट्री को सभी ग्रुपों, उघोग और व्यापारिक वर्ग में व्हाइट हाउस के प्रत्याशियों के प्रति व्यापक जनसमर्थन है। संयुक्त अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डा. प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी संजय अग्रवाल, संयुक्त सचिव पद के प्रत्याशी पवन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी मनोज अग्रवाल के साथ सभी लोग एकजुटता के साथ निर्वाचन 2023 में आप सबके समक्ष है और व्हाइट हाउस ने सभी प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने का अनुरोध किया है। इस मौके पर व्हाइट हाउस के अन्य पदाधिकारी एवं कोर ग्रुप के सदस्य राजेन्द्र सेठ, हरिबाबू अग्रवाल, दिलीप पंजवानी, सुनील अग्रवाल सनी, ललित गुप्ता, कृष्णगोपाल अग्रवाल, दीपक पमनानी आदि उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478